● वर्ष-2
● अंक-227
रायपुर, रविवार
14 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 14 मई रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 16 मई मंगलवार को प्रकाशित होगा।

रायपुर अधिवेशन से निकली कांग्रेस की जीत

चुनाव में हमारी कार्ययोजनाएं- रणनीतियां जनता के इर्द-गिर्द होगी : पवन बंसल

नई दिल्ली। कर्नाटक में होने वाले चुनावों से तकरीबन तीन महीने पहले कांग्रेस ने रायपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन किया था। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में कर्नाटक में होने वाले चुनावों को लेकर एक ऐसी स्ट्रैटजी तैयार की थी, जिस पर कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में मतदान के दिन तक कायम रही। कर्नाटक के चुनाव में इसी फार्मूले के आधार पर अपना मैनिफेस्टो भी तैयार किया था। आने वाले दिनों में इसी योजना के अनुरूप ही कांग्रेस न सिर्फ विधानसभा बल्कि लोकसभा के चुनाव भी लड़ेगी। ऐसी स्ट्रेटजी तैयार करने वालो में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के अध्यक्ष, पूर्व रेल मंत्री और पार्टी के कोषाध्यक्ष पवन बंसल ने कहा कि कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत में पार्टी के सभी प्रमुख नेता और कार्यकर्ताओं की भूमिका रही है। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की आपस में तुलना करना बिल्कुल ठीक नहीं है।

सवाल: कर्नाटक में कांग्रेस की वापसी हो गई, अनुमान था कि यही नतीजे आएंगे?

जवाब: बिल्कुल जैसी उम्मीद थी वैसे ही परिणाम आए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस ने जिस "फार्मूले" के साथ चुनाव लड़ा है वह जनता के सबसे करीब था। यही वजह है कि चुनाव परिणाम वही है जिसकी उम्मीद थी।

सवाल: ऐसी कौन सी "स्ट्रेटजी या फार्मूला" बनाया था आपने?

जवाब: कर्नाटक के चुनाव से कुछ महीने पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का एक राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। अधिवेशन में कर्नाटक के चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इसी अधिवेशन में तय हुआ था कि चुनाव में हमारी जो भी कार्य योजनाएं या रणनीतियां होगी वह जनता के इर्द-गिर्द घूमने वाली ही होगी। तो चुनाव लड़ने और जनता के बीच जाने के लिए जो फार्मूला तैयार किया वह जनता की ही जरूरतों और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिहाज से बनाया गया। हमारा मैनिफेस्टो भी उसी आधार पर तैयार हुआ था।

सवाल: आपके मैनिफेस्टो में तो बजरंग दल पर सख्ती और प्रतिबंध जैसे न जाने क्या क्या मुद्दे शामिल हो गए थे। आपके मैनिफेस्टो के बाद ही तो कर्नाटक में बजरंगबली की एंट्री हो गई। तो बजरंगबली कहां से जनता के मुद्दे हो गए?

जवाब: बजरंग दल और बजरंगबली में अंतर है। भारतीय जनता पार्टी अगर बजरंग दल को बजरंगबली से जोड़कर दुष्प्रचार करना शुरू कर देगी तो उनको क्या लगता है वह चुनाव जीत जाएंगे। हमारे मैनिफेस्टो में तो एक संगठन पर सख्ती या उस पर बारीकी से नजर बनाने की बात थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने उसको बजरंगबली से जोड़ दिया।

सवाल: लेकिन कर्नाटक के चुनाव में बजरंगबली का मुद्दा अगर भारतीय जनता पार्टी ने बनाया तो आपने भी तो उसको खूब बढ़ाया। आपने कहा कि हम इतने मंदिर बनवा देंगे हनुमान जी के?

जवाब: कांग्रेस कभी धर्म के आधार पर न कोई सियासी मुद्दा बनाती है और न उसको आगे बढ़ाती है। रही बात बजरंगबली की तो अब बजरंगबली कोई भारतीय जनता पार्टी की प्रॉपर्टी तो हैं नहीं। सभी लोग उनकी पूजा करते हैं। आस्था रखते हैं।

सवाल: तो आप मानते हैं कर्नाटक में जो चुनाव परिणाम आए हैं उसने स्थानीय मुद्दे ही हावी रहे। और जाति धर्म किनारे हो गए?

जवाब: आप स्वयं देखिए। चुनाव परिणाम क्या बता रहे हैं। हमने तो जनता के मुद्दे ही जनता के सामने रखे। फिर हमारे नेताओं ने जनता के बीच जाकर उनसे इन मुद्दों और अपनी समस्याओं को दूर करने के लिए मतदान करने की अपील की। कर्नाटक के लोगों को पता है कि भारतीय जनता पार्टी के झूठे जाति धर्म और हिंदुत्व के एजेंडे में फस कर राज्य का विकास नहीं हो सकता। इसीलिए उन्होंने कांग्रेस को स्थानीय मुद्दे और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिहाज से ही बढ़-चढ़कर वोट दिया।

सवाल: कर्नाटक के तुरंत बाद मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राजस्थान तेलंगाना और फिर लोकसभा मतदान चुनाव होने हैं। इन राज्यों के चुनाव में चुनौतियां ज्यादा नजर आती हैं आपके लिए या कर्नाटक के नतीजों से राहें आसान लग रहीं हैं?

जवाब: देखिए जितनी मेहनत कांग्रेस के एक-एक नेता और कार्यकर्ता ने कर्नाटक में की है। इतनी ही मेहनत आगे आने वाले विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में हमें करनी है। हम आने वाले चुनावों में भी स्थानीय मुद्दों और लोगों मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं और जरूरतों की चीजों को पूरा करने के लिए एक भरोसे के साथ जनता के बीच में जाएंगे। कर्नाटक के चुनाव ने साबित कर दिया की सिर्फ एक नेता के चेहरे के दम पर चुनाव नहीं जीता जाता।

निगमों की सभी 17 सीटों पर भाजपा का कब्जा

उप्र में योगी ने सबको रौंदा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में शहरों की सरकार बनाने में भाजपा सबसे आगे है। 17 में से 17 नगर निगम सीटों के शुरुआती रुझान आ गए हैं। सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा होता नजर आ रहा है। झांसी, सहारनपुर, शाहजहांपुर, बरेली और अयोध्या सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है। बाकी के परिणाम आना बाकी है। भाजपा की इस जीत के पीछे सवर्ण वोटर का एकजुट होना माना जा रहा है। अतीत में झांकें तो ऐसे कई उदाहरण है जब सवर्ण जातियों ने किंग मेकर की भूमिका निभाई। इस चुनाव में भी इन जातियों की अहम भूमिका है और सभी दलों की निगाहें इस तरफ थीं। जबकि मुस्लिम वोट बसपा के साथ बंटने से सपा को नुकसान होता दिख रहा है।

उत्तर प्रदेश की बात करें तो सवर्ण मतदाताओं की आबादी 26 फीसदी से ज्यादा है। इनमें सबसे ज्यादा 11 फीसदी से अधिक ब्राह्मण वोटर हैं। 9 फीसदी से ज्यादा क्षत्रिय मतदाता हैं। वैश्य मतदाता 6 प्रतिशत से अधिक और कायस्थ करीब 2 फीसदी हैं। शहरी सीटों पर वैश्य मतदाताओं की मौजूदगी ज्यादा है। ग्रामीण परिवेश में ब्राह्मण, क्षत्रिय, त्यागी, कायस्थ आदि मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है।

पश्चिमी यूपी के चुनावी बिसात को देखें तो दलों ने जिस तरह से सवर्ण प्रत्याशी उतारे थे उससे इनकी अहमियत स्पष्ट रूप से सामने आई। मेरठ शहर सीट पर भाजपा ने इस बार ब्राह्मण पर दांव खेला था, तो कांग्रेस ने भी ब्राह्मण को ही यहां से उम्मीदवार बनाया था। इस सीट पर पहले भी भाजपा की ओर से बड़ा चेहरा डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी चुनाव लड़ते रहे हैं। सरधना सीट पर इस बार तगड़ा मुकाबला रहा। यहां भी भाजपा ने मौजूदा विधायक संगीत सोम को ही चुनावी मैदान में उतारा था। उधर, बसपा ने कई सीटों पर इसी तरह का दांव चला। मेरठ की कैंट और बागपत की बड़ौत सीट पर ब्राह्मण उम्मीदवार को उतारा गया था।

धौलाना सीट पर भी भाजपा ने ठाकुर पर दांव लगाया था। साहिबाबाद से तो भाजपा और रालोद-सपा गठबंधन यानी दोनों ने ही ब्राह्मण पर दांव खेला था। मोदीनगर सीट पर भी बसपा, गठबंधन और भाजपा तीनों का सवर्णों पर दांव था। कौल, अनूपशहर आदि सीटों पर भी भाजपा ने यही फॉर्मूला इस्तेमाल किया गया।

इन जिलों में सवर्ण वोटरों की काफी है संख्या: प्रदेश में गाजियाबाद, हमीरपुर, गौतमबुद्धनगर, प्रतापगढ़, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, फतेहपुर, बलरामपुर, गोंडा ठाकुरों की मौजूदगी अच्छी खासी है। वहीं, ब्राह्मणों की जिन जिलों में अच्छी खासी संख्या है, उनकी संख्या 24 से ज्यादा है।

कर्नाटक में 224 विधानसभा क्षेत्रों में से कांग्रेस ने 136 सीटें जीतीं। पार्टी ने राज्य में सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत हासिल किया है। जीत की खुशी मनाते पार्टी कार्यकर्ता।

2019 में भाजपा की सरकार बनाने वाले दलबदलू हारे

बेंगलुरु। वर्ष 2019 में पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने में मदद करने वाले आठ विधायकों को कर्नाटक में 10 मई को हुए विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के 13 और जनता दल (सेक्युलर) के तीन विधायकों ने 2019 में कर्नाटक विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था, जिससे एच डी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस और जद (एस) की 14 महीने पुरानी गठबंधन सरकार गिर गई थी। बाद में, स्पीकर द्वारा अयोग्य घोषित किए गए इनमें से 16 विधायक भाजपा में शामिल हो गए।

इनमें से अधिकांश ने 2019 में उपचुनाव लड़ा और जीत हासिल कर बी एस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्री भी बने। शनिवार को जब चुनाव परिणाम घोषित किए गए तो प्रतापगौड़ा पाटिल मस्की निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के बसनगौड़ा तुर्विहाल से 13,053 मतों से हार गए। इसी प्रकार बी सी पाटिल (हिरेकेरूर) को कांग्रेस के उजनेश्वर बसवनप्पा बनाकर से 15,020 मतों से हार का सामना करना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर (चिक्काबल्लापुरा) को कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप ईश्वर से 10,642 मतों से हार मिली। एम टी बी नागराज (होस्कोटे) को कांग्रेस उम्मीदवार शरथ कुमार बाचेगौड़ा से 5,150 मतों से हार मिली जबकि श्रीमंत पाटिल (कगवाड) को कांग्रेस के बलरामपुरौडा अलगौड़ा कागे ने 8,827 मतों से हराया। महेश कुमाथल्ली (अथानी सीट) को लक्ष्मण सावदी ने 76,122 मतों के अंतर से हराया। सावदी ने भाजपा छोड़कर चुनाव से पहले कांग्रेस का दामन लिया था। के सी नारायण गौड़ा (के आर पेट) और आर शंकर (रानीबेन्नूर) भी चुनाव हार गए और वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा ने विजयनगर निर्वाचन क्षेत्र से सिद्धार्थ सिंह ठाकुर को मैदान में उतारा था।वह मंत्री आनंद सिंह के बेटे हैं। आनंद सिंह भी पाला बदलने वाले विधायकों में शुमार थे। उन्हें एच आर गवियप्पा से 33,723 मतों से हार का सामना करना पड़ा। रोशन बेग और ए एच विश्वनाथ ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। हालांकि, शिवराम हेब्बार (येलापुर), एस टी सोमशेखर (यशवंतपुर), बिराती बसवराज (के आर पुरम), एन मुनिरत्ना (आर आर नगर), रमेश जारकीहोली (गोकाक) और के गोपालैया (महालक्ष्मी लेआउट) ने चुनाव में जीत दर्ज की।

प्रमुख समाचार

बलूचिस्तान कैंप में आतंकी हमले में 6 आतंकी ढेर

बलूचिस्तान। छह आतंकवादी शनिवार को मुस्लिम बाग शहर में एक सफाई अभियान के बाद मारे गए। यह घटनाक्रम आज सुबह कस्बे में स्थित एक शिविर पर आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने के बाद आया है। जानकारी के मुताबिक, कैंप में भारी गोलीबारी हुई। कैंप पर आज सुबह हुए आतंकी हमले में दो जवान शहीद हो गए। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक अभियान चल रहा था, जिन्हें शुरुआत में एक इमारत परिसर में घेर लिया गया था। पिछले साल नवंबर में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ पाकिस्तान की बातचीत टूट जाने के बाद से आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। संगठन विशेष रूप से अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में पुलिस को निशाना बना रहा है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में, देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है, आतंकवादी समूह देश भर में हमले कर रहे हैं।

रंधावा ने माना, पायलट-गहलोत के बीच है मतभेद

राजस्थान। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट आमने-सामने हैं। कांग्रेस राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इस बात को स्वीकार किया है कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच में मतभेद है। हालांकि रंधावा ने यह भी कहा है कि इसे हम जल्द से जल्द मजबूती से सुलझाया जाएगा। अपने बयान में सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि मैं स्वीकार करता हूं कि हमारे बीच मतभेद हैं और उन्हें नहीं होना चाहिए। इसे (सचिन पायलट और सीएम गहलोत के बीच मतभेद) मजबूती से सुलझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में एकजुट होकर लड़े और हम राजस्थान में भी ऐसा ही करेंगे। आपको बता दें कि फिलहाल सचिन पायलट जन संघर्ष यात्रा निकाल रहे हैं। इसको सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट की निजी यात्रा करा दिया था। सचिन पायलट लगातार अशोक गहलोत सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं।

अदालत से दिल्ली एलजी सक्सेना को झटका

अहमदाबाद। अहमदाबाद की एक अदालत से दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को झटका लगा है। अदालत ने सक्सेना की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उनके खिलाफ मारपीट के एक मामले में उनके पद पर रहने तक मुकदमे को स्थगित रखने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने कहा कि ऐसा करके गुजरात की अदालतों में लंबित मामलों को बढ़ाना नहीं चाहते हैं। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पीएन गोस्वामी की अदालत ने आठ मई को वीके सक्सेना को नर्मदा बचाओ आंदोलन की कार्यकर्ता मेधा पाटकर पर कथित तौर पर हमला करने के मामले में राहत देने से इनकार कर दिया। आदेश की प्रति शुक्रवार को उपलब्ध कराई गई। यह मामला उस समय का है जब मेधा पाटकर अप्रैल 2002 में गुजरात दंगों के खिलाफ गांधी आश्रम में शांति बैठक कर रही थीं, तब एक समूह ने उनपर हमला किया था जिसमें सक्सेना भी शामिल थे।

फर्जी पहचान पत्र से सिम कार्ड सक्रिय करने वाले 13 गिरफ्तार

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने 13 लोगों को फर्जी पहचान पत्र के जरिए सिम कार्ड सक्रिय करने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस उनके पास से 2,197 सिम कार्ड, चार लैपटॉप और 60 मोबाइल फोन भी जब्त किया। अभियान के दौरान वीपी रोड, डीएन नगर, मालाबार हिल, सहार और बांगुर नगर थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गई। गिरफ्तार किए गए लोगों में सिम कार्ड विक्रेता, एजेंट और कॉल सेंटर वाले मालिक शामिल है। दूरसंचार विभाग से जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों पर धोखाधड़ी और जालसाजी सहित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों के गिरफ्तार होने की संभावना है।

खतरनाक हुआ चक्रवात मोका, बांग्लादेश में खतरा

नई दिल्ली। उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'मोका' बंगाल की खाड़ी से अब बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा के पास पहुंच गया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएम) ने बांग्लादेश में तेज हवाओं, बाढ़ और संभावित भूस्खलन की चेतावनी देते हुए कहा है कि मोका बहुत खतरनाक हो गया है। डब्ल्यूएमओ ने कहा कि यह बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में दुनिया के सबसे बड़े शरणार्थी शिविर को प्रभावित कर सकता है। भारत के मौसम विज्ञान कार्यालय के अनुसार, चक्रवात मोका के रविवार (14 मई) दोपहर तक बांग्लादेश-म्यांमार सीमा के पास लैंडफॉल करने की संभावना जताई गई है। फिलहाल इन इलाकों में 175 किलोमीटर प्रति घंटे (108 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम कार्यालय ने निचले तटीय क्षेत्र में दो से ढाई मीटर (छह से आठ फीट) के बीच तूफान बढ़ने की भविष्यवाणी की है।

पूरी ताकत झोंकने के बाद भी कर्नाटक में भाजपा के हारने के कारण

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव के नतीजे काफी हद तक साफ हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश के बाद कर्नाटक में भी भाजपा को बड़ा झटका लगा है। पिछले एक साल के अंदर ये दूसरा राज्य है, जिसकी सत्ता भाजपा के हाथ से कांग्रेस ने छीन ली। इसका बड़ा सियाासी मतलब निकाला जा रहा है। खासतौर पर भाजपा के लिए बड़ी चिंता की बात है।

इस साल कर्नाटक के बाद अब पांच अन्य राज्यों में चुनाव होने हैं। इनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मिजोरम और तेलंगाना शामिल है। इसके अलावा अगले साल यानी 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद सात राज्यों में चुनाव होने हैं। कुल मिलाकर अगले दो सालों में लोकसभा के साथ-साथ 13 बड़े राज्यों के चुनाव होने हैं। इनमें कई दक्षिण के राज्य भी हैं। इसलिए भाजपा के लिए कर्नाटक की हार को बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं, मुश्किलों में घिरी कांग्रेस के लिए जीवनदान साबित हुई।

आंतरिक कलह बनी मुसीबत

ये सबसे बड़ा कारण है। चुनाव के दौरान ही नहीं, बल्कि इससे काफी पहले से भाजपा में आंतरिक कलह की खबरें सामने आ चुकी थीं। कर्नाटक भाजपा में कई धड़े बन चुके थे। एक मुख्यमंत्री पद से हटाए गए बीएस येदियुरप्पा का गुट था, दूसरा मौजूदा मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का, तीसरा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष और चौथा भाजपा प्रदेश नलिन कुमार कटील का था। एक पांचवा फ्रंट भी था, जो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि का था। इन सभी फ्रंट में भाजपा के कार्यकर्ता पिस रहे थे। सभी के अंदर पॉवर गेम की लड़ाई चल रही थी।

टिकट बंटवारे ने बिगाड़ा बाकी खेल

पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही थी। ऐसे समय टिकट बंटवारे को लेकर भी बड़ी गड़बड़ी हुई। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं का टिकट काटना भाजपा को भारी पड़ा। पार्टी नेताओं की बगावत ने भी कई सीटों पर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। करीब 15 से ज्यादा ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा के बागी नेताओं ने चुनाव लड़ा और पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाया। जगदीश शेट्टार, लक्ष्मण सावदी जैसे नेताओं का अलग होना भी पार्टी के लिए नुकसान साबित हुआ।

भ्रष्टाचार के आरोपों से नुकसान

ये मुद्दा पूरे चुनाव में हावी रहा। चुनाव से कुछ समय पहले ही भाजपा के एक विधायक के बेटे को रंगे हाथों घूस लेते हुए पकड़ा गया था। इसके चलते भाजपा विधायक को भी जेल जाना पड़ा। एक ठेकेदार ने भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत कमिशनखोरी का आरोप लगाते हुए फांसी लगा ली थी। कांग्रेस ने इस मुद्दे को पूरे चुनाव में जोरशोर से उठाया। राहुल गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी तक ने इस मुद्दे को खूब भुनाया। जनता के बीच भाजपा की छवि धुमिल हुई और पार्टी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।

दक्षिण-उत्तर की लड़ाई का भी असर

इसे भी एक बड़ा कारण मान सकते हैं। इस वक्त दक्षिण बनाम उत्तर की बड़ी लड़ाई चल रही है। भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है और मौजूदा समय केंद्र की सत्ता में है। ऐसे में भाजपा नेताओं ने हिंदी बनाम कन्नड़ की लड़ाई में मौन रखना ठीक समझा। वहीं, कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने मुखर होकर इस मुद्दे को कर्नाटक में उठाया। नंदिनी दूध का मसला इसका उदाहरण है। कांग्रेस ने नंदिनी दूध के मुद्दे को खूब प्रचारित किया। एक तरह से ये साबित करने की कोशिश की है कि भाजपा उत्तर भारतीय कंपनियों को बढ़ावा दे रही है, जबकि दक्षिण के लोगों को किनारे लगाया जा रहा है।

आरक्षण का मुद्दा पड़ा भारी

ये भी एक बड़ा कारण हो सकता है। कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण खत्म करके लिंगायत और अन्य वर्ग में बांट दिया। पार्टी को इससे फायदे की उम्मीद थी, लेकिन ऐन वक्त में कांग्रेस ने बड़ा पासा फेंक दिया। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में आरक्षण का दायरा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 फीसदी करने का एलान कर दिया। इसने भाजपा के हिंदुत्व को पीछे छोड़ दिया। आरक्षण के वादे ने कांग्रेस को बड़ा फायदा पहुंचाया। लिंगायत वोटर्स से लेकर ओबीसी और दलित वोटर्स तक ने कांग्रेस का साथ दिया।

तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य प्रगति पर, चार दिन में 38 हजार मानक बोरा संग्रहित

कोरबा। तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य प्रगति पर पर हैं। तेज धूप निकलने से बेहतर पत्तों की उपज होने लगी है। अधिक से अधिक मात्रा में पत्ता संग्रहित करने के लिए संग्राहक जंगलों में पहुंच रहे हैं। कोरबा व कटघोरा वन मंडलों के 719 फड़ों में चार दिन के भीतर 38 हजार मानक बोरा पत्ता संग्रहित कर लिया है। अनुकूल मौसम से संग्राहकों में उल्लास देखा जा रहा है।

तेंदूपत्ता संग्रहण को लेकर संग्राहक परिवार में प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। पखवाड़े भर पहले हो रही वर्षा का असर इस बार तेंदू पत्ता संग्रहण पर पड़ा है। एक मई को शुरू होने वाली संग्रहण की शुरू आत इस बार आठ मई को की गई है। तपती धूप और जमीन गर्म होने से पत्ते जल्दी सूखने लगे हैं। इससे बोरे में भराई करने में आसानी हो रही है। लेमरू, कोई, विमलता व ठाकुरखेता सहित बड़े फड़ों के पत्ते देरी से तैयार हुए हैं। अब यहां भी पत्तों की तोड़ाई में प्रगति आ चुकी है। विभागीय अधिकारी की माने तो चार दिन के भीतर 30 प्रतिशत पत्तों की तोड़ाई जंगल से हो चुकी है। शाख कर्तन का काम सघन जंगल में समय पर होने का असर बेहतर पत्तों के रूप में दिखने लगा है। बताना होगा कि पत्ता संग्रहण के कोरबा वनमंडल में 238 और कटघोरा में 481 फड़ बनाए गए हैं। पत्तों का दर बीते वर्ष की तरह 400 रुपये सैकड़ा रखा गया है। अब संग्रहित पत्तों पर गौर करें तो कोरबा वनमंडल में 16 हजार 123 और कटघोरा में 22 हजार 102 मानक बोरा पत्तों का संग्रहण किया जा चुका है। यह कार्य 22 मई तक जारी रहने की संभावना है। बताना होगा पत्ता संग्रहण के एवज में संग्राहक परिवार नवीन शिक्षण सत्र में बच्चों की कापी किताब और खेती के लिए खाद-बीज आदि के लिए कमाई कर लेते हैं। खास बात यह यह है कि कोरबा वनमंडल के सभी 38 समितियों के पत्तों की बोली लगी है। इस तरह कटघोरा के 44 में दो को छोड़ शेष समिति के पत्ते बिक चुके हैं। अधिक से अधिक फड़ों के पत्तों की बढ़चढ़ कर बोली लगने से संग्राहक परिवारों को इस बार बोनस लाभ भी अधिक मिलेगा। राज्य सरकार ने भुगतान के लिए दोनों वन मंडल में राशि जारी कर दी है।

सूखे पत्तों को गोदामों में पहुंचाने की तैयारी शुरू हो गई है। बारिश को देखते संग्रहण में तेजी लाई जा रही है। बीते वर्ष बारिश के कारण बिना सूखे पत्तों किसानों के घर में ही रखना पड़ा था। फड़ मुंशियों की माने तो तेज धूप के कारण पत्तों को दो ही दिन में पलटने की नौबत आ रही। पत्ते बेहतर होने की वजह से कहीं भी सरा लेने की जरूरत नहीं पड़ रही। बताना होगा कि आम तौर पर फड़ मुंशियो द्वारा प्रति वर्ष पत्तों के खराब होने का हवाला देकर पांच गड्डी अतिरिक्त पत्ते सरा के नाम पर ली जाती थी। इस बार इस समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए गांव.गांव सरा न देने मुनादी करा दी गई। लोगों में अब जागरूकता आ गई है।

कोरबा वन मंडल में पसरखेत जंगल क्षेत्र में हाथी विचरण कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर कटघोरा वन मंडल में दल ने एक बार फिर से डेरा डाल दिया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को सतर्क किया जा चुका है। पसान से केंदई वन परिक्षेत्र में भ्रमण कर रहे 23 हाथियों के दल पर इन दिनों नजर रखी जा रही। अलग-अलग टुकड़ियों में बंटे होने और जंगल के भीतर हाथियों के दल के होने से लोगों को सतत सतर्क किया जा रहा है। हाथियों के आने के पहले गांव में मुनादी कराकर फड़ बंद किया जा रहा है।

पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने लगाया मिलीभगत का आरोप

खपाया जा रहा 'हरा सोना'

बीजापुर। पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने वन विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत से तेंदूपत्ता की तस्करी किये जाने का आरोप लगाया हैं। गागड़ा ने कहा कि टारगेट पूरा करने के लिए सरहद पार पड़ोसी राज्यो से तेंदूपत्ता यहां लाकर बेचा जा रहा है। इसका खुलासा तेंदूपत्ता खरीदी केंद्रों में निरीक्षण और संग्राहकों से बातचीत के बाद हुआ है।

शुक्रवार को पूर्व वनमंत्री महेश गागड़ा जिले के भोपालपटनम क्षेत्र के दौरे पर थे। यहां उन्होंने अलग-अलग तेंदूपत्ता खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। खरीदी केंद्रों में उन्होंने संग्राहकों से बातचीत की और इसके बाद खुलासा हुआ। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में सीमांध्र राज्य के लोग पत्ता लाकर यहां बेच रहे हैं। गागड़ा ने विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए तेंदूपत्ता तस्करी किये जाने का आरोप लगाया है।

साथ उन्होंने कहा कि अब तक यहां से बेशकीमती सागौन लकड़ी की तस्करी हो रही थी। लेकिन अब पड़ोसी राज्यों से हरा सोना यानी तेंदूपत्ता की भी तस्करी की जा रही हैं। उन्होंने इस मामले में ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं जाने पर विभाग की मौन सहमति करार दिया। गागड़ा ने कहा कि ठेकेदार अपना टारगेट पूरा करने के लिए बाहरी राज्य से पत्तों

की खरीदारी कर रहे हैं। आखिर इतने दिनों से बाहर से पत्ता खरीदा जा रहा है। इस पर विभाग ने ध्यान क्यों नही दिया। इससे साफ जाहिर होता है कि विभाग ने ठेकेदार को नियमों को दरकिनार कर अनुमति दे दी है। पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि जब तिमेड़ में वनोपज जांच नाका लगा हुआ है। इसके बावजूद वहां से आए दिन पत्ता लाया जा रहा है।इसका चेकिंग क्यों नही किया जा रहा। इससे साबित होता है तेंदूपत्ता का यह खेल मिलीभगत से चल रहा है। वही अधिकारी विधिवत रूप से ट्रांसपोर्टिंग परमिट भी जारी करेंगे। वही इस बारे में वन विभाग भोपालपटनम के एसडीओ नीतीश रावटे ने बताया कि उन्हें भी इसकी सूचना मिली हैं। उन्होंने रेंजर को इसकी जांच के लिए कहा हैं।

नपा क्षेत्र में व्याप्त समस्या को लेकर भाजपा मंडल दीपका ने दिया धरना

कोरबा। दीपका नगर पालिका परिषद के क्षेत्र में आने वाले विभिन्न वार्डों में व्याप्त समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं युवा मोर्चा एमहिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका परिषद दीपका के क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए बजरंग चौक दीपका से होते हुए कार्यकर्ताओं ने मटका पकड़कर नगर भ्रमण करते हुए दीपका नगर पालिका परिषद के सीएमओ को ज्ञापन सौंपते हुए वार्ड वासियों को हो रही समस्याओं से अवगत कराया और समस्या जूझ रहे वार्ड वासियों के लिए भीषण गर्मी में मुसीबत बनी पेयजल तक ना मिल पाना एवं बिजली की समस्या साफसफाई वृद्धों को पेंशन राशन कार्ड स्ट्रीट लाइट का मरम्मत करना तथा वार्डों में किए गए गुणवत्ता विहीन कार्यों को ठीक करना यह सभी प्रमुख मांगों को लेकर भाजपा ने नगर पालिका परिषद दीपका के सीएमओ को एक ज्ञापन सौंपा और इन सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने के ज्ञापन के माध्यम से समस्या का समाधान समय रहते करने की मांग कि।

इस आंदोलन में छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग पूर्व अध्यक्ष एवं कोरबा लोकसभा पूर्व प्रत्याशी ज्योति नंद दुबे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज शर्मा,भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रकाश शर्मा,पार्षदगण अरूनीश तिवारी, रोहित जयसवाल, सुशील गुप्ता, आशा देवी पंडित, श्रीमती कुसुमलता केवट, श्रीमती संगीता साहू, विकास सोनी, दीपक गिलहरे, विशाल अग्रवाल, अभिषेक सिंह, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी,महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्रीमति उत्तरा कुंभकार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बुधवारा देवांगन,मीना सिन्हा, उपाध्यक्ष धर्म तिवारी, उपाध्यक्ष गोयल कंवर, महामंत्री राजू प्रजापति,कोषाध्यक्ष भाजपा राम पुकार पंडित,मंत्री राजेंद्र साहू,मंत्री राजू हरीश नायर,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुजीत सिंह, उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, महामंत्री सौरभ गुरुद्वान, अविनाश सिंह, मीडिया प्रभारी गौरव सिंह, मीडिया प्रभारी गौरव सिंह,प्रचार प्रसार प्रमुख अतुल सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी नवीन साहू,मंत्री रीपक कुमार,मीडिया सह प्रभारी दीपक दुबे, मुकेश कुमार, निक्कू श्रीवास, सत्यम यादव,संतोष निराला, लड्डन खान, आनंद चोकसे दिनेश अग्रवाल,भारत राठौर, अस्वनी कुमार, अमन मिश्रा,साहिल महंत, अरुण शर्मा, भारतीय जनता पार्टी मंडल दीपका के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में जनता को ईमानदार सरकार दिलाने का वादा

कोरबा। आम आदमी पार्टी के छत्तीसगढ़ सह प्रभारी नरेश बारिया द्वारा कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिसमें उनके साथ प्रदेश व जिले के पदाधिकारियों ने आगामी विधानसभा चुनाव के मुद्दों को समेत पार्टी के महत्वपूर्ण मुद्दों को पत्रकारों के बीच रखा। साथ ही अगामी चुनाव में छत्तीसगढ़ में जनता को ईमानदार सरकार दिलाने का वादा किया।

नरेश बारिया ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में डेढ़ लाख सदस्य हैं, आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश को चार जोन में बांटकर तैयारियां शुरू की गई है। अगले 7 दिनों के अंदर निगम मंडलों वार्ड एवं सर्कल अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों सहित लगभग 1 लाख 20 हजार पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी भष्ट्राचार चरम पर है। आम आदमी पार्टी की सरकार आएगी तो भष्ट्राचार मुक्त प्रदेश बनाएगी। यहां शिक्षाए स्वास्थ्यए रोजगार की गारंटी होगी। इसलिए संगठन को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

वही पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने शराब घोटाले को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार को घेरा और कहा कि जिस शराबबंदी के झूठे वादों को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने गंगाजल उठाकर शराबबंदी की घोषणा की थी आज वही सरकार उस शराब तो भ्रष्टाचार से पैसे कमा रही है। भाजपा-कांग्रेस दोनों मिलकर अरविंद केजरीवाल की सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे है। प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश सचिव विशाल केलकर ने बताया कि छत्तीसगढ़ की जनता को ईमानदार सरकार आम आदमी पार्टी देने का वादा करती है। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ में इमानदारी से जनता की मूलभूत सुविधाओं को लेकर काम करेगी और जनता के भरोसे को जीतेगी। इस प्रेस वार्ता के दौरान भानु चंद्रा प्रदेश उपाध्यक्ष, राजेंद्र एक्का लोकसभा अध्यक्ष सरगुजा, प्रतिमा सिन्हा जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ कोरबा व चंद्रकांत डिक्सेना जिला अध्यक्ष कोरबा मंचासीन रहे।

योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में राजीव युवा मितान क्लब की भूमिका अहम

कोरबा। राजीव युवा मितान क्लब कोरबा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजनांतर्गत रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क एवं अर्बन इंडस्ट्रीयल पार्क योजना विषय पर बालको में एक दिवसीय परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि कलेक्टर संजीव कुमार झा ने कहा कि शासन द्वारा प्रदेश के सभी वर्गों को ध्यान में रखकर जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई गई हैं। इन योजनाओं का लाभ आमजन उठा सकें इसके लिए राजीव युवा मितान क्लब का गठन किया गया है। शासन की योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। शासन की योजनाओं को आमजनों तक पहुंचाने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर झा ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार इंडस्ट्रीयल एरिया की तरह गांव एवं शहरों में छोटे-छोटे इंडस्ट्रीयल एरिया विकसित किए जाएं जहां पर युवा उद्यमी उद्योगों के माध्यम से विकास कर सकें। इसके लिए शासन के द्वारा बिजली, सड़क, पानी, जमीन, शेड आदि अधोसंरचनाएं की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि रीपा अंतर्गत 10 गांव में रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क संचालित हो रहे हैं। जहां पर विभिन्न औद्योगिक गतिविधियां संचालित की जा रही है, जिसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। इसी के आधार पर शहरों में अर्बन इंडस्ट्रीयल पार्क भी संचालित कर लोगों को फायदा पहुंचाये जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों के विकास में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए, जिसका लाभ स्थानीय लोगों को मिल सके। कलेक्टर ने इस संबंध में जानकारी हेतु सीईओ जिला पंचायत, नगर निगम आयुक्त तथा राजस्व अधिकारियों से भी संपर्क करने की अपील की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक उदय किरण और बालको के सीईओ राजेश कुमार ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को उठाना चाहिए। बालको सीईओ ने कहा कि सीएसआर से क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। हम उन्नति और विकास के लिए तत्पर हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

धमतरी का नाम रोशन करने वाली बेटियों का विधायक ने किया सम्मान

धमतरी। कहा जाता है कि अगर कुछ कर गुजरने की सपना देखें तो उस सपने को साकार करने के लिए हम मेहनत करें और आगे बढ़े इस बात को सिद्ध कर रही है हमारी धमतरी की दो सगी बहनें। धमतरी शहर की डॉक्टर दंपत्ति डॉक्टर रूपा मित्तल एवं डॉक्टर राजेश मित्तल की दोनों बेटियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में धमतरी जिले में टॉप की है, जिसमें दोनों बहने क्रमश: हर्षिता मित्तल कक्षा दसवीं एवं माही मित्तल कक्षा 12वीं के सीबीएसई बोर्ड में टॉप में स्थान अर्जित कर धमतरी जिले का नाम रोशन की है। दोनों की दोनों बहने संबलपुर के डीपीएस स्कूल में पढ़ाई करती है, जिसको बधाई देने विधायक रंजना डीपेंद्र साहू उनके निज निवास पहुंची। जहां पर उन्होंने सर्वप्रथम स्मृति चिन्ह प्रदान किए और बच्चों को मिठाई खिला कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिए। विधायक ने कहा कि इन दोनों बेटियों ने क्षेत्र का, स्कूल का, अपने माता-पिता का नाम रोशन की है, विधायक ने सहज ही दोनों

वेतन विसंगति को दूर करने शिक्षकों ने शासन से की मांग

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील एवं नवाचारी शिक्षक महासंघ ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्राथमिक शाला में कार्यरत हजारों सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति को दूर करने शासन से पुरजोर मांग की हैं। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील एवं नवाचारी शिक्षक महासंघ के राज्य कमेटी के सदस्य एवं बस्तर संभाग के सह संयोजक दीपक प्रकाश, कांकेर जिला इकाई के संयोजक प्रदीप सेन,रायपुर संभागीय इकाई के सदस्य निकेश शर्मा, रायपुर जिला इकाई के सदस्य डोमन लाल डहरिया, कांकेर जिला इकाई के सदस्य पवन सेन, नूतन सिंह ठाकुर, प्रवीण कोर्राम, दुष्यंत सोनकर, कुंभकर गजभि, राजेंद्र कुमार, दिनेश शुक्ला कोंडागांव, पिंकी पाणी, संजय बघेल जगदलपुर के सदस्यों ने बताया कि सहायक शिक्षक का वेतन विसंगति निर्धारण के समय 2800 वेतन ग्रेड के स्थान पर 2400 वेतन ग्रेड हो गया था। वेतन विसंगति के कारण प्रदेश के हजारों सहायक शिक्षक संवर्ग के शिक्षक . शिक्षिकाओं को अन्य व्याख्याता एलबी, शिक्षक एलबी की तुलना में कम वेतन प्राप्त हो रहा हैं ।

समर कैंप में 100 से अधिक बच्चों को जागरूक किया

दल्लीराजहरा। 12 मई को पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन एवं अति पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर मार्गदर्शन मे एवं श्रीमती गीता वाधवानी उप पुलिस अधीक्षक, कर्ण कुमार उके नगर पुलिस अधीक्षक दल्लीराजहरा के नेतृत्व में निरीक्षक दिलेश्वर चन्द्रवंशी, सायबर सेल प्रभारी के पर्यवेक्षण में रेल्वे इंस्टीटयूट दल्लीराजहरा के नि:शुल्क समर कैंप में सम्मिलित होने वाले 100 से अधिक बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से गुड टच, बैड टच, बच्चो का शोषण, पोस्को एक्ट एवं सायबर ठगी संबंधी अपराध को काटून फिल्म व स्लाइड के जरिये दिखाकर जागरूक किया गया। समर कैम्प में बच्चों को किशोर न्याय अधिनियम 2015 लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट 2012) मानव/बाल तस्करी के संबंध में जानकारी, सखी सेंटर महिलाओं की सुरक्षा संरक्षण, व घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, चाइल्ड हेल्प लाईन नं. 1098 की जानकारी साझा किया गया।

कांकेर जिले के 97 ग्रामों में बनाये गये आयुष्मान कार्ड

उत्तर बस्तर कांकेर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत कांकेर जिले में 06 लाख 46 हजार 654 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 87.60 प्रतिशत तथा छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर हैं। जिले के 97 ग्राम ऐसे हैं, जहां पर कुल लक्ष्य का 95 प्रतिशत से अधिक हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। चारामा विकासखण्ड के 17 ग्राम क्रमश: चारभाठा, गोटीटोला, कोटतरा, हाराडुला, मरकाटोला, लिलेझर, साल्हेटोला, परसोदा, पुरी, जेपरा, डोकला, पुरी, जेपरा, जुनवानी, गतिपहर, खरथा, मैनपुर, जामबहार, टांहकापार तथा नरहरपुर विकासखण्ड के 13 ग्राम थानाबोडी, डोडरापहर, सारण्डा, अमोडा, बांगाबारी, घोटियावाही, मावलीपारा, कुरना, देवरीबालाजी, चवांड, मांड़ाभर्री, मुडपार, धनेसरा एवं कांकेर विकासखण्ड के 13 ग्राम साल्हेभाट, बुधियारमारी, किरगोली, डोमाहर्रा आदि गांवों में हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये हैं।

पुलिस विभाग में भर्ती के नाम पर 16 लाख की ठगी

धमतरी। सरकारी नौकरी का झांसा देकर शिक्षित बेरोजगारों से 16 लाख रूपए की ठगी करने वाले एक आरोपी के खिलाफ धमतरी पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। आरोपी ने युवकों को पुलिस आरक्षक बनाने के नाम पर रूपए लिए थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी तुलसीराम साहू निवासी सोरम ने शिकायत दर्ज कराया कि महासमुंदर के परसवानी गांव में रहने वाले आरोपी आदर्श चंद्राकर ने अपनी ऊंची पहुंच का हवाला देकर वर्ष 2018-19 में पुलिस विभाग में आरक्षक पद की नौकरी लगवाने के नाम पर प्रार्थी व दो अन्य लोगों से 16 लाख रूपए लिया था। आरोपी ने प्रार्थी से 5 लाख रूपए लिया था। इसी तरह गोकुलपुर निवासी मिथलेश कुमार निर्मलकर से 7 लाख 50 हजार तथा ग्राम पोटियाडीह निवासी देव नारायण साहू नामक युवक से 3 लाख 50 हजार रूपए लिया था। लंबे समय तक नौकरी नहीं लगने तथा प्रार्थियों के द्वारा पूछने पर गोलमोल जवाब मिलने लगा। इससे प्रार्थी को शक हुआ और उसने मामले की शिकायत दर्ज कराई।

प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल ने जाना योजनाओं का हाल

बीजापुर। बीजापुर के कलेक्ट्रेट में उस समय अधिकारी हैरान रह गए जब प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने टीएल मीटिंग में पहुंचकर सरकारी कामकाज की समीक्षा कर जिले के विकास पर जवाब-तलब किया। दरअसल, प्रधानमंत्री और मंत्री बाल संसद के चुने गए प्रतिनिधि थे। जिन्हें सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विभागीय कामकाज की जानकारी से अवगत कराने के लिए पेकोर पंडुम समर कैम्प एक्सपोजर विजिट के लिए कलेक्ट्रेट लाया गया था। ज्ञान गुड़ी एजुकेशन सिटी में आयोजित पेकोर पंडुम समर कैम्प में जिले के बच्चे नई-नई गतिविधियों से रूबरू होकर नए अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

बता दें कि बीते दिन संसदीय चुनाव की तरह इवीएम एप के जरिये वोटिंग कराकर सदस्यों का चुनाव किया गया। जिसके बाद सदस्यों ने प्रधानमंत्री और मंत्रियों का चुनाव किया। पेकोर पंडुम के एक्सपोजर विजिट में कलेक्ट्रेट में आयोजित टीएल मीटिंग में बाल संसद की टीम ने कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा को परिचय देकर शासकीय योजनाओं की जानकारी देने का अनुरोध किया। बाल संसद के प्रधानमंत्री ने मंत्री मंडल की बैठक

प्रारंभ कर बारी-बारी से विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर बड़ी सोच के साथ काम करने का आग्रह किया। स्वास्थ्य मंत्री ने क्षेत्र में मलेरिया की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

शिक्षा मंत्री ने नक्सल प्रभावित इलाकों में शिक्षा के लिये किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। संचार मंत्री ने मोबाइल कनेक्टिविटी के विस्तार की जानकारी लेकर शत प्रतिशत इलाकों में नेटवर्क पहुंचाने की कार्ययोजना बनाने को कहा। खाद्य मंत्री ने बीपीएल परिवारों को खाद्यान वितरण की जानकारी लेकर पहुंचविहीन इलाकों में भंडारण की स्थिति की समीक्षा की। गृह मंत्री ने आंतरिक सुरक्षा और कैम्प की जानकारी लेकर विकास कार्यों में सुरक्षा बल के सहयोग की जानकारी ली गई।

खेल मंत्री ने बीजापुर स्पोर्ट्स अकेडमी के संचालन और विकास तथा खेल गतिविधियों की जानकारी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल करने की जानकारी ली। समीक्षा के बाद बाल संसद की प्रधानमंत्री और मंत्रियों को कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए पढ़ाई में आगे बढ़ने के साथ सफल नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। बाल संसद की गतिविधि के दौरान सीईओ जिला पंचायत सहित जिले के सभी आला अफसर मौजूद रहे।

दीदी मंडई बना कांग्रेस पार्टी का निजी कार्यक्रम : प्रेमलता नागवंशी

नगरी। भाजपा जिला मंत्री व पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता नागवंशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार पर साधा निशाना। उन्होंने कहा की 11 मई को शासन द्वारा आयोजित दीदी मंडई कार्यक्रम पूरी तरीके के कांग्रेस पार्टी का निजी कार्यक्रम बन गया है। उन्होंने बताया की दीदी मंडई कार्यक्रम में भाजपा के किसी भी जनप्रतिनिधि, पार्षद, जनपद सदस्य को नहीं बुलाया गया वहीं कांग्रेस के हर नेता को आमंत्रण और कार्यकर्ता को आमंत्रण देकर बुलाया गया। भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए किसी भी पार्षद, जनपद सदस्य, जनपद अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष का कार्ड में नाम नहीं डाला।

नगर पंचायत क्षेत्र में कार्यक्रम हुआ उनके अध्यक्ष आराधना शुक्ला का नाम तक उन्होंने कार्ड में नहीं डाला। सरकार द्वारा जनता से चुने हुए जनप्रतिनिधियों का इस तरह का अपमान निंदनीय है। वहीं उन्होंने बताया की भाजपा सरकार थी तब ऐसा कभी किसी जनप्रतिनिधि का उपेक्षा नहीं किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की शराब नीति पर सवाल उठाए और अभी उजागर हुए 2000 करोड़ के घोटाला की निंदा की एवं पूर्ण शराब बंदी के भूपेश सरकार के झूठे वादे के बारे में बताया। पवित्र गंगाजल की झूठी कसम खाने वाले भूपेश सरकार एक ओर दीदी मंडई का आयोजन कर रहा है दूसरी ओर शराबबंदी के अपने वादे को पूरा करने में असमर्थ है। अंतिम में उन्होंने कहा की जनता सब समझती है और ठगने वाले इस भूपेश सरकार को चुनाव में सबक सिखा के रहेगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

गिरिराज सिंह ने धीरेंद्र के बहाने बोला नीतीश सरकार पर हमला

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना आगमन पर कहा कि बाबा के आगमन से लोग काफी खुश हैं। इस दौरान गिरिराज सिंह ने नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बाबा बागेश्वर को प्रवचन के लिए गांधी मैदान नहीं दिया जा सकता है, लेकिन नमाज पढ़ने के लिए दे दिया जाता है। आप खुद देखिए कि बिहार में किस तरह वोट बैंक के लिए कुछ से कुछ किया जा रहा है। सरकार पूरी तरह से तुष्टीकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जानबूझकर देश के लोगों को गालियां दिलवा रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि बागेश्वर महाराज को इसलिए गांधी मैदान में कार्यक्रम नहीं दिया गया क्योंकि सरकार नहीं चाहती कि उनकी सनातन की मुहिम सफल हो। लेकिन जिस तरह से नौबतपुर में लोगों की भीड़ जुटी है, उससे आप समझ सकते हैं कि लोग उनको कितना मानते हैं। अगर भारत के अंदर कोई धमकी देता है और धर्म का प्रचार करने से रोकता है तो बताइये वो कहां जाए?

मेघालय में यूडीपी उम्मीदवार ने सोहियोंग विस सीट जीती

शिलांग। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के उम्मीदवार सिन्शर कुपर रॉय लिंगदोह थबाह ने शनिवार को मेघालय में सोहियोंग विधानसभा सीट जीत ली। थबाह ने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) उम्मीदवार को 3,422 मतों से हराया। यह जानकारी एक निर्वाचन अधिकारी ने दी। इस सीट के लिए मतदान 10 मई को हुआ था, क्योंकि 27 फरवरी को विधानसभा चुनाव से पहले यूडीपी उम्मीदवार एच डी आर लिंगदोह के निधन के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया था। इस जीत के साथ, 60-सदस्यीय सदन में यूडीपी के सदस्यों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के 28 विधायक हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एफ. आर. खारकोंगोर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यूडीपी उम्मीदवार सिन्शर कुपर रॉय ने एनपीपी के समलिन मालनगियांग को 3,422 मतों के अंतर से हराया। उन्होंने बताया कि सिन्शर को 16,679 वोट मिले, जबकि समलिन को 13,257 वोट मिले।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव में खुला आप का खाता

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर में हुए लोकसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत हुई है। इस जीत के साथ ही एक बार फिर पार्टी की एंट्री लोकसभा में हो गई है। जीत तय होने के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचे। जालंधर में आम आदमी पार्टी के नेता सुशील रिंकू ने प्रचंड जीत हासिल की है। इस जीत से आप के नेता गदगद हैं। इसी को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम सिर्फ काम की राजनीति करते हैं, न हम धर्म और न ही हम जाति की राजनीति करते हैं और हम उसी के बिनाह पर वोट मांगते हैं। केजरीवाल ने कहा कि जालंधर उपचुनाव दिखाता है कि जनता ने भगवंत मान की सरकार पर ठप्पा लगाया है कि ऐसे ही काम करते रहें हम आपके साथ हैं।

बीजद की दीपाली दास ने झारसुगुडा विस उपचुनाव जीती

भुवनेश्वर। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने शनिवार को झारसुगुड़ा विधानसभा सीट बरकरार रखी, क्योंकि उसकी उम्मीदवार दीपाली दास ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टंकधर त्रिपाठी को 48,721 मतों से हराया। यह जानकारी एक निर्वाचन अधिकारी ने दी। एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दास को कुल 1,07,198 वोट मिले, जबकि त्रिपाठी को 58,477 वोट मिले। अधिकारी ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार तरुण पांडेय 4,496 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। दीपाली ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास की बेटी हैं, जिनकी जनवरी में एक पुलिस अधिकारी द्वारा कथित तौर पर हत्या कर देने से इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया था। नब किशोर दास ने 2019 के आम चुनावों में यह सीट 45,740 मतों के अंतर से जीती थी।

विस उपचुनाव में आजम खां का आखिरी किला हुआ ध्वस्त

लखनऊ। यूपी में नगरीय निकाय चुनाव के साथ शनिवार को रामपुर की स्वार विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के परिणाम सत्तापक्ष के खाते में गए हैं। यहां अपना दल (एस) के उम्मीदवार शफीक अहमद अंसारी ने 8,824 मतों से जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 68513 वोट मिले हैं जबकि सपा प्रत्याशी अनुराधा चौहान को 59679 वोट मिले। स्वार विधानसभा सीट भाजपा ने सहयोगी दल अपना दल (एस) को दी थी। विधानसभा चुनाव 2022 में भी ये सीट अपना दल के खाते में थी। ऐसे में उपचुनाव सत्ता पक्ष बनाम विपक्ष ही रहा। अगर विपक्ष सत्तापक्ष से ये सीट जीतने में सफल रहता तो वह बड़ा संदेश देने में सफल होता। खासतौर से रामपुर की स्वार विधानसभा सीट पर सभी की नजरें टिकी हुई थीं। आजम खां के लिए ये उपचुनाव बेहद अहम माना जा रहा था। वह न सिर्फ यहां प्रचार के लिए उतरे बल्कि उन्होंने अपना हवाला देते हुए भाजपा पर जुल्म करने का भी आरोप लगाया। हालांकि आजम की अपील काम नहीं आई और स्वार पर सत्ता पक्ष का कब्जा बरकरार रहा।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम पर नेताओं की प्रतिक्रिया

मोहब्बत से ये लड़ाई लड़ी और जीती : राहुल

नईदिल्ली/बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में नफ़रत का बाजार बंद हुआ है, मोहब्बत की दुकान खुली है। कर्नाटक की जनता से हमने 5 वादे किए थे, हम इन वादों को पहले दिन पहली कैबिनेट में पूरा करेंगे। सबसे पहले मैं कर्नाटक के हमारे कार्यकर्ताओं को, हमारे नेताओं को बधाई देता हूं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में गरीबों के साथ खड़ी हुई। हमने प्यार से ये लड़ाई लड़ी। कर्नाटक ने दिखाया कि इस देश को मोहब्बत अच्छी लगती है।इससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी कांग्रेस उम्मीदवारों को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शाम तक रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटों की गिनती जारी है। खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस की आधी बढ़त की सराहना की और कहा कि यह %जनता जनार्दन% की जीत है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस उम्मीदवारों को शाम तक राजधानी बेंगलुरु में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस की पांच 'गारंटी' के पक्ष में वोट किया: मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन को 'जनता जनार्दन' की जीत करार देते हुए कहा कि लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के खराब प्रशासन और कांग्रेस की पांच गारंटी के पक्ष में वोट किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी नवनिर्वाचित विधायकों से आज शाम तक बेंगलुरु पहुंचने के लिए कहा गया है, ताकि सरकार की गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने सभी (नवनिर्वाचित विधायकों) को संदेश भेजा है कि वो आज शाम तक यहां पहुंचें। वे शाम तक यहां आएंगे। इसके बाद आलाकमान पर्यवेक्षक भेजेगा और फिर सरकार गठन की प्रक्रिया होगी।'' उन्होंने कांग्रेस की जीत का श्रेय जनता को देते हुए कहा, ''कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन जनता जनार्दन की जीत है।'' कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, ''लोग खुद खड़े हुए और हमारा समर्थन किया। उन्होंने भाजपा के खराब प्रशासन का खिलाफ गुस्से का इजहार करते हुए मतदान किया। यह दिखाता है कि कर्नाटक के मतदाता जाग गए हैं।

प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों के प्रचार करने तथा धनबल और बाहुबल का इस्तेमाल किए जाने के बावजूद लोगों ने एकजुट होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस की पांच 'गारंटी' के लिए मतदान किया है। उन्होंने पार्टी के प्रदेश के नेतृत्व और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सराहना की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि कर्नाटक की जनता ने भाजपा के धनबल और बाहुबल के खिलाफ मतदान किया है। उन्होंने जीत के लिए कर्नाटक की जनता का आभार भी जताया।

देश को जोड़ने वाली राजनीति की जीत : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत तय नजर आने के बाद शनिवार को प्रदेश की जनता का आभार जताया और कहा कि यह देश को जोड़ने वाली राजनीति की जीत है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए धुआंधार प्रचार करने वाली प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, ''कांग्रेस पार्टी को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए कर्नाटक की जनता को तहे दिल से धन्यवाद। ये आपके मुद्दों की जीत है।

अधिनायकवादी और बहुसंख्यकवादी राजनीति पराजित हुई : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कर्नाटक की जनता का सलाम किया है और साफ तौर पर कहा है कि अधिनायकवादी और बहुसंख्यकवादी राजनीति पराजित हुई है। ममता ने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। ममता ने कहा कि परिवर्तन के पक्ष में निर्णायक जनादेश के लिए कर्नाटक के लोगों को मेरा सलाम !

पीएम मोदी की निर्णायक हार है : जयराम

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि आज जो कांग्रेस की निर्णायक जीत है वह पीएम मोदी की निर्णायक हार है। प्रधानमंत्री के अलावा प्रचार में और किसी का चेहरा नहीं दिखा। नड्डा जी ने कहा कि अगर आप कांग्रेस को वोट देंगे तो पीएम का आशीर्वाद नहीं मिलेगा। पीएम खुद डबल इंजन की बात करते रहे, जिसे जनता ने नकार दिया।

आम जनता तय करती है कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी : अधीर

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मोदी जी ने तानाशाही कर भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने पर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी थी आज उसी भ्रष्टाचार के चलते कर्नाटक की जनता ने उन्हें राज्य से निकाल दिया...इससे साबित हो गया है सत्ताधारी नहीं आम जनता तय करती है कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी।

जनता ने विकास की राजनीति को चुना : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि कर्नाटक ने सांप्रदायिक राजनीति को नकार कर विकास की राजनीति को चुना है। गहलोत ने कहा कि आने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भी इसकी पुनरावृत्ति होगी।

कर्नाटक में हार की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं : बोम्मई

मैं जनादेश को अत्यंत सम्मान के साथ स्वीकार करता हूं

शिग्गांव (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि वह विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार की पूरी जिम्मेदारी लेंगे और पार्टी आने वाले दिनों में एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की 'बहुत संगठित' चुनावी रणनीति उसकी जीत के प्रमुख कारणों में से एक हो सकती है।

बोम्मई ने यहां पत्रकारों से चर्चा में कहा, ''चुनाव परिणाम अंतिम चरण में हैं। मैं जनादेश को अत्यंत सम्मान के साथ स्वीकार करता हूं। मैं भाजपा की इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं, किसी और की जिम्मेदारी नहीं है। राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में मैं जिम्मेदारी लेता हूं। इस हार का पूरा विश्लेषण करने की आवश्यकता है, क्योंकि इसके कई कारण हैं।'' उन्होंने कहा कि पार्टी हर निर्वाचन क्षेत्र में प्रदर्शन का विस्तार से विश्लेषण करेगी।उन्होंने कहा, ''हम सभी कमियों को दूर करने की कोशिश करेंगे, खुद को संगठित करेंगे और पार्टी एक बार फिर वापसी करेगी। हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं और अपनी गलतियों को सुधारते हुए लोकसभा चुनाव जीतने के लिए संगठनात्मक और प्रशासनिक रूप से सभी आवश्यक तैयारियां करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करिश्मा काम नहीं आया, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परिणाम के कई कारण हैं और कोई भी गहन विश्लेषण के बाद ही इसके बारे में बात कर सकता है। उन्होंने कहा, ''नतीजे अभी भी आ रहे हैं, अभी इस बारे में बोलना सही नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संगठित चुनावी रणनीति उनकी जीत के प्रमुख कारणों में से एक हो सकती है। उन्हें चुनने के लिए शिग्गांव विधानसभा क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद देते हुए बोम्मई ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए काम जारी रखेंगे।

जनता के फैसले का सम्मान करते हैं : येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा को जबरदस्त झटका लगा है। कांग्रेस ने कर्नाटक में बहुमत की सरकार बनाने को लेकर बहुमत हासिल की है। भाजपा की हार को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। इन सबके बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का भी बयान सामने आ गया है। अपने बयान में उन्होंने बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि हार-जीत भाजपा के लिए बड़ी बात नहीं है। 2 सीट से शुरुआत कर भाजपा आज सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। कार्यकर्ताओं को दुखी होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपने हार पर पुनर्विचार करेंगे। हम जनता के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें वोट करने के लिए हम जनता का धन्यवाद करते हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि सभी परिणाम आने के बाद हम विस्तृत विश्लेषण करेंगे और एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में हम विभिन्न स्तरों पर अपनी कमियों को देखेंगे उसमें सुधार करेंगे और इसे पुनर्गठित कर लोकसभा चुनाव में वापसी करेंगे। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि लोकतंत्र में हार-जीत बड़ी बात नहीं है। हमने अपनी हार स्वीकार की है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि हम उन लोगों के बहुत आभारी जिन्होंने पार्टी और हमारे दृष्टिकोण का समर्थन किया और हम अपने सभी कार्यकर्ताओं के भी आभारी हैं जिन्होंने पार्टी के दृष्टिकोण को आगे ले जाने के लिए बहुत मेहनत की है।

खेल
प्रमुख समाचार

चेन्नई सुपर किंग्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से आज

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम इस सीजन में अपने घरेलू मैदान चैपॉक स्टेडियम में अंतिम बार खेलने उतरेगी। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के रिटायरमेंट की खबरों के बीच चेन्नई सुपर किंग्स की टीम चेपॉक स्टेडियम में इस सीजन में उनके नेतृत्व में आखिरी बार खेलेगी। इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के साथ होना है।इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम जीत हासिल करना चाहेगी ताकि प्लेऑफ के लिए उसका टिकट पक्का हो सके। बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 12 मुकाबले खेल चुकी है जिसमें उसके कुल 15 पॉइंट्स है। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए काफी मजबूत स्थिति में है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने अपने पिछले दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। धोनी के दो छक्के ही चेपॉक स्टेडियम में मौजूद दर्शकों के जश्न मनाने के लिए पर्याप्त होंगे जैसा कि उन्होंने दिल्ली के खिलाफ मैच में किया था जो कि आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुए थे। सीएसके की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और रुतुराज गायकवाड टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं जबकि उसके बाद अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। मोईन अली, रविंद्र जडेजा और अंबाती रायुडु जैसे बल्लेबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन सीएसके ने इस कमी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। गेंदबाजी में श्रीलंका के मथीशा पथिराना टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए हैं। तुषार देशपांडे भले ही महंगे साबित हुए हैं लेकिन उन्होंने विकेट लेने में कोताही नहीं बरती है। स्पिन विभाग में जडेजा, मोईन अली और महेश तीक्ष्णा अच्छी भूमिका निभा रहे हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

अडाणी समूह दो कंपनियों के शेयर बेचकर रुपये जुटाएगा

नयी दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी का समूह अपनी दो कंपनियों के शेयर बेचकर लगभग 21,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग की ओर से धोखाधड़ी के आरोप लगने के बाद भारी नुकसान उठाने वाले समूह का यह बहुत जोखिम भरा निर्णय माना जा रहा है। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। अडाणी समूह की दो कंपनियों ने शेयर बाजार को बताया कि समूह की प्रमुख फर्म अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने 12,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है, जबकि दूसरी कंपनी अडानी ट्रांसमिशन शेष 8,500 करोड़ रुपये जुटाएगी। समूह की अक्षय ऊर्जा वाली शाखा अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का निदेशक मंडल भी शनिवार को धन जुटाने के लिए मिलने वाला था लेकिन यह बैठक अब 24 मई के लिए टाल दी गई है। धन संग्रह योग्य संस्थागत खरीदारों को शेयर जारी करने के माध्यम से होगा।

डी-मार्ट का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 7.8 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। रिटेल श्रृंखला डी-मार्ट का संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का बीते वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में शुद्ध लाभ 7.8 प्रतिशत बढ़कर 460.1 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कंपनी ने जनवरी-मार्च, 2022 तिमाही में 426.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में उसकी परिचालन से कुल आय 20.57 प्रतिशत बढ़कर 10,594.11 करोड़ रुपये हो गई, जो जनवरी-मार्च, 2022 में 8,786.45 करोड़ रुपये थी। एवेन्यू सुपरमार्ट्स का बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कुल व्यय 10,002.21 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वर्ष की समान तिमाही के 8,210.13 करोड़ रुपये से 21.82 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी की मार्च तिमाही में 20.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ कुल आय 10,627.18 करोड़ रुपये रही।

भारत का भी रिटेल लोन इंडस्ट्री 100 लाख करोड़ के पार पहुंचा

नई दिल्ली। कोरोना काल के बाद देश में रिटेल लोन का आकार तेजी से बढ़ा है। लोग होम लोन तो जम कर ले ही रहे हैं, पर्सनल लोन भी खूब ले रहे हैं। यही नहीं, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन्स और गोल्ड लोन में भी भारी बढ़ोतरी हो रही है। तभी तो 31 दिसंबर 2022 को रिटेल लोन इंडस्ट्री का कुल साइज 100 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा का हो गया है। इसका खुलासा इक्विफैक्स और एंड्रोमेडा के एक संयुक्त रिपोर्ट से हुआ है। इस रिपोर्ट के मुताबिक कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान कुल 34 लाख होम लोन लिए गए। इन खातों में करीब 9 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया गया। यह लोन बैंक, हाउसिंग फाइनेंस कंपनीज और अन्य फाइनेंसियल इंस्टीच्यूशंस की तरफ से दिए गए। यह लोन एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 17 फीसदी अधिक है। इस रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि इन 34 लाख होम लोन अकाउंट्स में से अधिकतर लोन कम रकम के थे।

होंडा एक्टिवा और होंडा एक्टिवा 125 हुआ महंगा

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने एक्टिवा और एक्टिवा 125 की कीमतें बढ़ा दी हैं। एक्टिवा ने पिछले कुछ समय से भारतीय बाजार पर अपना दबदबा बना रखा है और यह अब ज्यादातर परिवारों का पसंदीदा स्कूटर है। एक्टिवा की कीमत में 811 रुपये की बढ़ोतरी की गई जबकि एक्टिवा 125 की कीमत में 1,177 रुपये बढ़ाए गए हैं। कीमत बढ़ोतरी के अलावा होंडा ने स्कूटर्स में कोई बदलाव नहीं किया है। होंडा एक्टिवा की कीमत अब 75,347 रुपये से शुरू होकर 81,348 रुपये तक जाती है। वहीं एक्टिवा 125 की कीमत 78,920 रुपये से शुरू होकर 86,093 रुपये तक जाती है। सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं। दिलचस्प बात यह है कि टॉप-एंड एक्टिवा 125 एच-स्मार्ट की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसकी कीमत 88,093 रुपये (एक्स-शोरूम) है।

अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने अन्य राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

प्रह्लाद सबनानी

भारत को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो निश्चित ही इसका रास्ता विभिन्न राज्यों के विकास के मार्ग से होकर जाता है। यह हर्ष का विषय है कि भारत के कुछ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ओर ले जाने के गम्भीर प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन राज्यों में शामिल हैं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं तमिलनाडु। इन राज्यों की वर्तमान में (वर्ष 2021-22) सकल राज्य घरेलू उत्पाद का स्तर, वर्तमान में वास्तविक वार्षिक विकास दर एवं आगे आने वाले समय में आवश्यक विकास दर की स्थिति पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इनमें से कुछ राज्यों को अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे।

उत्तर प्रदेश राज्य ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है।

इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य ने भी अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक

एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 43,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 10 प्रतिशत रही है। अब आने वाले वर्षों में, वर्ष 2030 तक महाराष्ट्र राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को औसतन 12.5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष आगे बढ़ाना होगा। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वैसे भी महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास के मामले में भारत के अग्रणी राज्यों में रहा है। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य ने भी 120,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किये हैं।

गुजरात राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में गुजरात राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 28,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब गुजरात राज्य को उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 16.1 प्रतिशत की विकास दर हासिल करनी होगी। यह विकास दर आसानी से हासिल की जा सकती है। गुजरात राज्य ने भी 163,000 करोड़ रुपए के राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं एवं इन प्रस्तावों के अंतर्गत राज्य में तेज गति से निवेश हो भी रहा है।

कर्नाटक राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में कर्नाटक राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 24,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब कर्नाटक राज्य को वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 32 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा तभी कर्नाटक राज्य एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वर्ष 2027 तक बन सकेगा।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि उक्त राज्य अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में यदि सफल होते हैं तो भारत को 5 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। और फिर, देश के कुछ राज्यों को तो विकास का इंजन बनना ही होगा।

येदियुरप्पा साथ होते तो परिणाम कुछ और होता

अमित शर्मा

भारी-भरकम चुनाव प्रचार और बड़े मुद्दों पर दांव खेलने के बाद भी कर्नाटक भाजपा के हाथ से फिसल गया है। पार्टी को सबसे करारा झटका उन्हीं लिंगायत सीटों पर लगा है जो राज्य में उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति माने जाते थे। राजनीतिक गलियारों में इसे येदियुरप्पा प्रभाव कहा जा रहा है। भाजपा को अपने बूढ़े शेर की उपेक्षा भारी पड़ी और लिंगायत मतदाताओं ने उससे किनारा कर लिया। पार्टी नेताओं का भी मानना है कि यदि चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व ने सब कुछ अपने मनमाने आधार पर निर्णय न किया होता तो आज चुनाव परिणाम कुछ और हो सकता था। भाजपा ने कर्नाटक को लेकर उसी समय गलती करनी शुरू कर दी थी जब उसने राज्य में येदियुरप्पा से इस्तीफा ले लिया। केवल जनरेशन चेंज और भ्रष्टाचार विरोधी फैक्टर कमजोर करने के लिए यह दांव खेला गया था, लेकिन सभी जानते हैं कि येदियुरप्पा इस निर्णय से खुश नहीं थे। हालांकि, इसके बाद भी येदियुरप्पा अपने बेटे विजयेंद्र को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पार्टी ने परिवारवाद के आरोपों से बचने के लिए उनकी इस मांग को भी अनसुना कर दिया। येदियुरप्पा की सबसे ज्यादा उपेक्षा चुनाव में टिकट बांटने के दौरान किया गया। पार्टी में ही चर्चा है कि कर्नाटक की सभी सीटों पर उम्मीदवारों का नाम तय करने में प्रह्लाद जोशी और कर्नाटक से आने वाले पार्टी के मजबूत केंद्रीय नेता बीएल संतोष की चली। यह संकेत भी भाजपा के लिए ठीक नहीं साबित हुआ। येदियुरप्पा फैक्टर पर भाजपा की सबसे बड़ी गलती तब सामने आई जब उसने उनके बेटे को उनकी पारंपरिक सीट शिकारीपुरा से टिकट देने में टालमटोल किया। अंततः पार्टी ने येदियुरप्पा के बेटे को उनकी सीट पर टिकट दे दिया, लेकिन यह निर्णय करने में इतनी देर की गई कि तब तक लिंगायत नेताओं के बीच यह संदेश चला गया कि भाजपा लिंगायतों की अनदेखी कर रही है। पार्टी ने जिस तरह लिंगायत नेताओं जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी को टिकट देने से इनकार कर दिया, उसने येदियुरप्पा वाले फैक्टर पर जनता के बीच रही-सही गलतफहमी भी दूर कर दी और उन्हें यह लगने लगा कि पार्टी उनके नेताओं की अनदेखी कर रही है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लिंगायत मतदाताओं ने कांग्रेस का रुख कर लिया या अपने घर बैठ गए। इससे भाजपा की चुनावी संभावनाओं को करारा झटका लगा। पार्टी के सभी नेता यह जानते हैं कि लंबे समय तक येदियुरप्पा के दाहिना हाथ रहे जगदीश शेट्टार अभी भी उनके बेहद भरोसेमंद हैं। कहा जाता है कि शेट्टार को अंतिम समय तक येदियुरप्पा ने ही टिकट दिलाने के नाम पर रोक कर रखा था, लेकिन केंद्र के एक नेता की शेट्टार से ठीक से न बनने के कारण उन्हें टिकट नहीं दिया गया। इस पूरी उहापोह में मतदाताओं के बीच नकारात्मक संदेश गया है। कर्नाटक चुनाव में पार्टी की प्रचार की कमान संभालकर लौटे एक भाजपा कार्यकर्ता ने अमर उजाला से कहा कि जनता के बीच जाने के बाद यह समझ आ रहा था कि लिंगायत मतदाता पार्टी से खुश नहीं हैं। इसके बाद भी उसी रणनीति पर अंतिम दौर तक चला गया और इसका नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोड शो कर रहे थे, तब यदि उन्होंने येदियुरप्पा को भी अपने साथ ले लिया होता, और उन्हें भी अपने साथ स्थान दे दिया होता तो पूरे राज्य में यह संदेश दिया जा सकता था कि भाजपा लिंगायतों के साथ डटकर खड़ी है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट निर्णय के अतार्किक पहलु

अजय सेठिया

महाराष्ट्र में शिव सेना के विघटन, उद्धव सरकार द्वारा बहुमत खोना, उनके इस्तीफे और नई सरकार के गठन के दौरान हुई घटनाओं पर सुप्रीमकोर्ट ने अपना जजमेंट सुनाया है। इस जजमेंट में दो जगहों पर स्पीकर और राज्यपाल के निर्णयों को गलत ठहराया गया है। लेकिन इन दोनों ही जगहों पर स्पीकर और राज्यपाल ने अब तक चली आ रही परंपराओं के आधार पर ही फैसले लिए थे। सुप्रीमकोर्ट के जजमेंट में इन दोनों ही मामलों में नया नियम प्रतिपादित किया गया है। इसलिए पुरानी परंपराओं के अनुसार लिए गए स्पीकर और राज्यपाल के फैसलों की आलोचना पूरी तरह राजनीतिक लगती है। सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट का सार यह है कि शिंदे सरकार को सदन का बहुमत हासिल है, लेकिन राज्यपाल और स्पीकर की भूमिका संदिग्ध थी। यह अपने आप में अतार्किक बात है कि जब मौजूदा सरकार क़ानून सम्मत है, तो स्पीकर और राज्यपाल की भूमिका कैसे संदिग्ध हो सकती है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राज्यपाल का एकनाथ शिंदे को सरकार बनाने के लिए न्योता देना और उन्हें शपथ दिलाना क़ानून सम्मत था। बात यहीं पर खत्म हो जाती है कि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दिया और क़ानून सम्मत वैकल्पिक सरकार का गठन हो गया।

सुप्रीमकोर्ट ने राज्यपाल की ओर से उद्धव ठाकरे को बहुमत साबित करने के लिए कहना गैर कानूनी बताया है। पहली बात तो यह है कि राज्यपाल का काम यह देखना होता है कि उसकी सरकार को सदन का बहुमत हासिल है या नहीं। भारत के संविधान के मुताबिक़ सरकार राज्यपाल की होती है। इसलिए जब भी राज्यपाल को लगता है कि उसकी सरकार को सदन का बहुमत हासिल नहीं है, तो वह मुख्यमंत्री को बहुमत साबित करने को कह सकता है, और वही राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने किया था।

अब तक जहां जहां दलबदल हुआ और राज्यपाल के पास मामला पहुंचा, राज्यपाल यही करते रहे थे और भगत सिंह कोश्यारी ने भी वही किया। सुप्रीमकोर्ट ने राज्यपाल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी पार्टी की अंदरुनी झगड़े में पड़ना राज्यपाल का काम नहीं, उनकी जिम्मेदारी संविधान की सुरक्षा करने की थी। सुप्रीमकोर्ट का यह कथन तार्किक नहीं है, क्योंकि संविधान की सुरक्षा तो तभी हो सकती थी, जब उनकी सरकार को सदन का बहुमत हासिल हो। जब राज्यपाल खुद आशंकित हो जाएं कि उनकी सरकार को सदन में बहुमत हासिल है या नहीं, और उनके पास पर्याप्त सबूत आ जाएं कि उनकी सरकार को सदन में बहुमत हासिल नहीं है, तो मुख्यमंत्री को बहुमत साबित करने के लिए कहना राज्यपाल की सवैधानिक जिम्मेदारी और अधिकार दोनों हैं, और भगत सिंह कोश्यारी ने इसी का निर्वहन किया। एकनाथ शिंदे की तरफ से कोर्ट में केस लड़ने वाले पूर्व सॉलीसिटर जनरल हरीश साल्वे का

कहना है कि वह सुप्रीमकोर्ट के उस तर्क से सहमत नहीं है कि राज्यपाल के पास पर्याप्त मेटीरियल नहीं था कि उद्धव ठाकरे सदन का विश्वास खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि संविधान ने जो जिम्मेदारी राज्यपाल को दी हुई है, भगत सिंह कोशियारी उसी का पालन कर रहे थे और आज तक यही परंपरा थी।

अब सुप्रीमकोर्ट का यह कहना कि किसी पार्टी की कलह में राज्यपाल को दखल नहीं देना चाहिए, यह राज्यपाल के अधिकारों को कम करना और लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा है। सभी राजनीतिक दल अपनी बात राष्ट्रपति और राज्यपाल के सामने रखते हैं, और वे उनका निवारण करते हैं। सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद तो राष्ट्रपति और राज्यपाल कभी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को बहुमत साबित करने के लिए कह ही नहीं सकते, क्योंकि ऐसी स्थिति तो सत्ताधारी पार्टी में बगावत के कारण ही पैदा होती है। अगर अब सुप्रीमकोर्ट कहता है कि राज्यपाल का शिवसेना की अंदरुनी कलह के कारण उद्धव ठाकरे को बहुमत साबित करने के लिए कहना गैर कानूनी था, तो सुप्रीमकोर्ट को यह जवाब देना पड़ेगा कि उसने तब उद्धव ठाकरे की याचिका पर राज्यपाल के निर्देश को खारिज क्यों नहीं किया। उद्धव ठाकरे ने तो तभी इस्तीफा दिया, जब सुप्रीमकोर्ट ने राज्यपाल के निर्देश पर रोक नहीं लगाई। यह तो चित भी मेरी पट भी मेरी वाली बात हो गई। सुप्रीमकोर्ट ने कहा है कि यदि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा न दिया होता, तो कोर्ट उन्हें बहाल करने पर विचार कर सकता था। कोर्ट के कहने का मतलब यह है कि जैसे 2016 में उसने नबाम तुकी को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर बहाल किया था, वैसे ही उद्धव ठाकरे को बहाल करने पर विचार कर सकता था। अब यह कितना अतार्किक है कि इस जजमेंट में सुप्रीमकोर्ट ने 2016 के अपने उसी जजमेंट की समीक्षा करने के लिए सात सदस्यीय बेंच को भेजा है, लेकिन यह भी कह रहा है कि वह 2016 के उसी फैसले के आधार पर सदन में हारे मुख्यमंत्री (अगर उद्धव ठाकरे सदन में हारते तो) को बहाल करने की सोच सकता था।

सुप्रीमकोर्ट के उस फैसले के कारण अरुणाचल प्रदेश के सदन में बहुमत हासिल कर चुके मुख्यमंत्री कालीखो पुल को हटा दिया गया था और नबाम तुकी को बहाल कर दिया था। सुप्रीमकोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच के फैसले के कारण नबाम तुकी दुबारा मुख्यमंत्री तो बन गए, लेकिन तीन दिन बाद ही इस्तीफा देना पड़ा था, क्योंकि उनके पास बहुमत नहीं था। तो सुप्रीमकोर्ट की पांच जजों की बेंच का वह बेहद बेतुका फैसला सिद्ध हुआ था। सुप्रीमकोर्ट की पांच जजों की बेंच के उस फैसले के कारण सदन में बहुमत साबित करने के बाद मुख्यमंत्री पद से हटाए गए कालीखो पुल ने एक महीने बाद आत्महत्या कर ली थी। अपने आत्महत्या के नोट में उन्होंने लिखा था- मुझसे और मेरे करीबियों से कई बार संपर्क किया गया कि अगर मैं 86 करोड़ रुपये देता हूं तो फैसला मेरे हक में दिया जाएगा। मैं एक आम आदमी हूं, मेरे पास न उस तरह पैसा है न ही मैं ऐसा करना चाहता हूं... सुप्रीमकोर्ट का वह फैसला नबाम रेबिया का फैसला कहलाता है। नबाम रेबिया तब स्पीकर थे, उन्होंने दलबदल करने वाले कांग्रेस के 14 विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी थी। बाद में डिप्टी स्पीकर ने 14 विधायकों की सदस्यता बहाल कर दी थी और नबाम रेबिया को भी स्पीकर पद से हटा दिया गया था, सुप्रीमकोर्ट ने इस फैसले में कहा था कि अगर स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव हो तो वह दलबदल क़ानून के तहत याचिकाओं का निष्पादन नहीं कर सकता। सुप्रीमकोर्ट के इसी फैसले का दलबदलुओं ने हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। सुप्रीमकोर्ट के उस फैसले के हर पहलू की हमेशा आलोचना हुई है, इसलिए महाराष्ट्र के फैसले में सुप्रीमकोर्ट का यह कहना कि अगर उद्धव ठाकरे सदन में विश्वास मत हारे भी होते, तो भी वह उन्हें बहाल करने पर विचार कर सकती थी, यह उतना ही गलत है, जितना नबाम तुकी को बहाल करना गलत था, जो तीन दिन नहीं टिक पाए थे।

सुप्रीमकोर्ट ने अपने इसी फैसले में यह भी कहा है कि उन 16 विधायकों की सदस्यता को लेकर फैसला पेंडिंग पड़ा होने के बावजूद वे विधायक के नाते सदन की बैठक में हिस्सा ले सकते थे। जब वे हिस्सा ले सकते थे और वोटिंग कर सकते थे, तो उद्धव सरकार कैसे बचती और सदन में गिरी हुई सरकार को सुप्रीमकोर्ट कैसे बहाल करता? क्या अरुणाचल प्रदेश की तरह? इसलिए सुप्रीमकोर्ट का यह रेफरेंस अतार्किक और विरोधाभासी है कि अगर उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा नहीं दिया होता, तो वह उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बहाल कर देता। आखिर फैसला तो सदन को करना है, सुप्रीमकोर्ट किसी को बिना बहुमत के मुख्यमंत्री पद पर नहीं बिठा सकता। अरुणाचल प्रदेश के फैसले को भी विधानसभा ने गलत साबित कर दिया था। सुप्रीमकोर्ट ने इसके अलावा स्पीकर राहुल नार्वेकर के उस फैसले को गलत बताया है, जिसमें उन्होंने शिंदे गुट के चीफ व्हिप भरत गोगावले को मान्यता दे दी थी, जबकि पार्टी की ओर से सुनील प्रभु चीफ व्हिप थे। सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले से पहले किसी क़ानून या नियम में यह नहीं लिखा गया था कि चीफ व्हिप पार्टी तय करेगी। संसद से लेकर सभी विधानसभाओं में विधायक दल की ओर से ही चीफ व्हिप तय किए जाने की परंपरा रही है। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने कहा है कि उन्होंने पूर्व की परंपराओं और सदन के रिकार्ड के मुताबिक़ ही विधायक दल की ओर से तय किए चीफ व्हिप को मान्यता दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अब पहली बार अनुच्छेद 10 की व्याख्या की है। इस अनुच्छेद में यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया था कि राजनीतिक दल की ओर से तय चीफ व्हिप मान्य होगा या फिर विधायक दल की ओर से तय चीफ व्हिप। अब सुप्रीमकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि चीफ व्हिप तय करने का अधिकार पार्टी को है, तो भविष्य के लिए यह क़ानून बन गया है। इसलिए सुप्रीमकोर्ट का यह कहना कि स्पीकर का पार्टी की अनदेखी करके विधायक दल के चीफ व्हिप को मान्यता देना गलत था, यह तार्किक नहीं है, क्योंकि स्पीकर ने परंपराओं का ही पालन किया था। सुप्रीमकोर्ट को कम से कम स्पीकर कार्यालय से पहले रिकार्ड मंगवा कर देख लेना चाहिए था। सुप्रीमकोर्ट ने दलबदल क़ानून में विधायक या सांसद की सदस्यता तय करने के स्पीकर के अधिकार को खारिज नहीं किया है। इसका मतलन साफ़ है कि 16 विधायकों की सदस्यता तय करने का अधिकार स्पीकर राहुल नार्वेकर का ही है। जब नया स्पीकर चुन लिया गया था, और उनके खिलाफ कोई अविश्वास प्रस्ताव पेंडिंग भी नहीं था, तो क्या सुप्रीमकोर्ट की ओर से डिप्टी स्पीकर पर फैसला लेने पर लगाई गई रोक को पहले ही नहीं हटा लिया जाना चाहिए था। सुप्रीमकोर्ट के फैसले को नैतिक जीत बताते हुए उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग की है। पहली बात तो यह है कि यह फैसला उद्धव ठाकरे की नैतिक जीत नहीं है, दूसरे नैतिकता का सवाल तो खुद उन पर उठता है, जिन्होंने भाजपा से गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ा और मुख्यमंत्री पद के स्वार्थ के लिए गठबंधन तोड़ दिया, जबकि गठबंधन ने देवेन्द्र फडनवीस को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट किया था, और जनता ने उनके नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत दिया था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

संन्यासोपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

जब चेतन तत्त्व - चित्त-मुक्त हो जाता है, तभी यह आत्मरूप चैतन्य तत्त्व कहा जाता है। जब स्वभाव-मन (इच्छा) रहित हो जाता है, तब उसमें किसी भी तरह के दोष प्रकट नहीं होते। वही सत्यता है, वही शिव स्वरूप है, उसमें ही परमात्मा अवस्थित है। वही सर्वज्ञता है, वही सम्पूर्ण तृप्ति है, न कि जहाँ मन क्षतिग्रस्त (मेरे तेरे में बँटा हुआ) हो। यद्यपि मैं प्रलाप करता, परित्याग करता, स्वीकार करता, चक्षुओं को खोलता एवं बन्द करता रहता हूँ, फिर भी मैं मननशील, आनन्दस्वरूप संवित् (ज्ञानरूप) आत्मा ही हूँ। संवेद्य रूपी मन को दूर करके तथा मन को निर्मूल अर्थात् बिना इच्छा किये हुए आशा रूपी फन्दे को काट करके मैं केवल संवित् रूप ही हूँ। शुभ एवं अशुभ संकल्पों से मुक्त तथा सम्यक् रूप से शान्त होकर मैं आरोग्य अवस्था में स्थित हूँ। इष्ट तथा अनिष्ट के भाव का परित्याग करके मैं केवल संवित् रूप ही हो गया हूँ। राग एवं द्वेष के भावों का परित्याग करके, विभागरहित, नश्वर जगत् में प्रतिष्ठित अत्यधिक विशेष रूप से दृढ़ आत्मारूपी साम्य के आश्रय में मैं पूर्णरूप से प्रतिष्ठित हूँ। मैं अपनी निर्मल एवं आशारहित संवित् (आत्मिक दशा) में प्रतिष्ठित हूँ। चेष्टा और चेष्टारहित तथा हेय एवं उपादेय की भावना से मैंने मुक्ति को प्राप्त कर लिया है। मैं आत्मिक संतोष को कब प्राप्त करूँगा ? स्वयं प्रकाश स्वरूप पद में कब प्रतिष्ठित होऊँगा। पर्वत श्रृंखला की गुफा में आसन ग्रहण करके शांत भाव से कब चिन्तन-मनन करूँगा। मैं निर्विकल्प समाधि लगाकर शिला के समान कब चेष्टारहित हो जाऊँगा? मैं उस अंश विहीन अविनाशी ब्रह्म के चिन्तन में इस तरह से कब निश्चल हो जाऊँगा कि कोयल पक्षी हमारे मस्तक पर घोंसला विनिर्मित कर लें। मैं संकल्प रूपी वृक्षों तथा तृष्णा रूपी लताओं को काटकर मन रूपी विशाल वन को पारकर विस्तृत भूमि (मैदान) में पहुँचकर आनन्द पूर्वक विचरण करता हूँ। मैं उस अविनाशी पद का स्वरूप हूँ, केवल हूँ, जय रूप हूँ, निर्वाण, निरीह (अहंरहित), अंशरहित, निरीप्सित (इच्छारहित) स्वच्छ, वीर्यवान, सत्ताशाली, सत्य एवं ज्ञान स्वरूप हो गया हूँ। आनन्द, उपशम,प्रसन्नता, पूर्णता, उदारता, सत्य, द्वैतरहित आदि की भावना करते हुए संन्यासी को अपने स्वरूप में प्रतिष्ठित रहना चाहिए।

क्रमशः ...

मातृ दिवस : मां है प्रेम, संवेदना और ममत्व की पराकाष्ठा

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस सम्पूर्ण मातृ-शक्ति को समर्पित एक महत्वपूर्ण दिवस है, जिसे मदर्स डे, मातृ दिवस या माताओं का दिन चाहे जिस नाम से पुकारें यह दिन सबके मन में विशेष स्थान लिये हुए है। पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। संतान के लालन-पालन के लिए हर दुख का सामना बिना किसी शिकायत के करने वाली मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। भारतीय संस्कृति में मां के प्रति लोगों में अगाध श्रद्धा रही हैं, लेकिन आज आधुनिक दौर में जिस तरह से मदर्स डे मनाया जा रहा है, उसका इतिहास भारत में बहुत पुराना नहीं है। इसके बावजूद दो-तीन दशक से भी कम समय में भारत में मदर्स डे काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

मातृ दिवस-समाज में माताओं के प्रभाव व सम्मान का उत्सव है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का

बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किसी शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। मातृत्व की छाया में मां न केवल अपने बच्चों को सहेजती है बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उसका सहारा बन जाती है। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मातृ दिवस सभी माताओं का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। एक बच्चे की परवरिश करने में माताओं द्वारा सहन की जानें वालीं कठिनाइयों के लिये आभार व्यक्त करने के लिये यह दिन मनाया जाता है। कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग ने मातृत्व को परिभाषित करते हुए कहा है- सभी प्रकार के प्रेम का आदि उद्गम स्थल मातृत्व है और प्रेम के सभी रूप इसी मातृत्व में समाहित हो जाते हैं। प्रेम गहन, अपूर्व अनुभूति है, पर शिशु के प्रति मां का प्रेम एक स्वर्गीय अनुभूति है।

'मां'-इस लघु शब्द में प्रेम की विराटता-समग्रता निहित है। अणु-परमाणुओं को संघटित करके अनगिनत नक्षत्रों, लोक-लोकान्तरों, देव-दनुज-मनुज तथा कोटि-कोटि जीव प्रजातियों को मां ने ही जन्म दिया है। मां के अंदर प्रेम की पराकाष्ठा है या यूं कहें कि मां ही प्रेम की पराकाष्ठा है। प्रेम की यह चरमता केवल माताओं में ही नहीं, वरन् सभी मादा जीवों में देखने को मिलती है। अपने बच्चों के लिए भोजन न मिलने पर हवासिल (पेलिकन) नाम की जल-पक्षिनी अपना पेट चीर कर अपने बच्चों को अपना रक्त-मांस खिला-पिला देती है। कितनी दयनीय बात है कि देश ने स्त्री की शक्ति के रूप में अवधारणा दी, जिसने पुराणों के पृष्ठों में देवताओं को 4 या 8 हाथ दिये किन्तु देवियों को 108 हाथ दिये, उसी ने स्त्रियों को पुरुषों से नीचा स्थान दिया और उन्हें वेद पढ़ने के अधिकार से वंचित कर दिया।

अमेरिका के पहले आधिकारिक दौरे पर जा रहे प्रधानमंत्री

नीरज कुमार दुबे

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत के रिश्ते अमेरिका के साथ नई ऊँचाइयों पर पहुँचे हैं। अब तक अमेरिका के तीन राष्ट्रपतियों- बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के साथ काम कर चुके प्रधानमंत्री मोदी के संबंध सभी के साथ प्रगाढ़ रहे और इसके चलते उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा तो दी ही साथ ही भारतीय हितों को भी हमेशा प्राथमिकता दी। मोदी और बाइडन के रिश्तों का जिक्र करें तो यह बेहद शानदार हैं। विभिन्न मंचों पर मोदी और बाइडन जब मिलते हैं तो उनकी मित्रता देखते ही बनती है। अब बाइडन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री अगले महीने अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं, इसलिए इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल अमेरिका और भारत, दोनों के ही चीन के साथ संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं, इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध आगे बढ़ता जा रहा है और भारत की भूमिका तटस्थ देश की बनी हुई है, साथ ही भारत इस साल जी-20 का अध्यक्ष है और अमेरिका भारत की अध्यक्षता में हो रही बैठकों को पूर्ण समर्थन दे रहा है। इसके अलावा, सबसे खास बात यह कि अगले साल मोदी और बाइडन, दोनों को ही चुनावों का सामना करना है, इसलिए मोदी की इस यात्रा का रणनीतिक के साथ ही राजनीतिक महत्व भी है। मोदी अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर तो जा ही रहे हैं साथ ही इसी साल सितंबर में जब जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक नई दिल्ली में होगी तब अमेरिकी राष्ट्रपति भी उसमें शामिल होंगे।

जहां तक मोदी की अमेरिका यात्रा का वहां की राजनीति के हिसाब से महत्व है तो आपको बता दें कि अमेरिका इस समय महंगाई और मंदी के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसे भारत की मदद की जरूरत है ताकि बाइडन अगले साल होने वाले चुनावों के दौरान मतदाताओं के कोप से बच सकें। इसी प्रकार मोदी भी भारत को तकनीक और निवेश दिलाने, भारत के सेमीकंडक्टर अभियान के लिए दोनों देशों के कार्यबल के लिए सहयोग बढ़ाने तथा अनिवासी भारतीयों के तमाम मुद्दों को सुलझाने के लिए बाइडन का सहयोग ले सकते हैं। वैसे भी, अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भारत प्रयास शुरू कर भी चुका है। हम आपको याद दिला दें कि दुनिया में मंदी के बीच भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने हाल ही में अमेरिका और फ्रांस से बड़े विमान सौदे करने की घोषणा की थी। एअर इंडिया ने अमेरिका की बोइंग से 34 अरब डॉलर में 220 विमान खरीदने का फैसला किया है जिससे कई अमेरिकी राज्यों में रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा था कि यह बिक्री 44 राज्यों में 10 लाख से अधिक अमेरिकी नौकरियों में मददगार होगी। इसके अलावा भारत और अमेरिका 'क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) पहल के तहत अंतरिक्ष, सेमी-कंडक्टर, आपूर्ति श्रृंखला, रक्षा सह-उत्पादन और सह-विकास तथा ज्ञान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में द्विपक्षीय सहयोग को लगातार बढ़ा रहे हैं जिसे मोदी की यात्रा से और मजबूती मिलेगी।

डोभाल करके आ गये थे तैयारी

इसके अलावा, हम आपको यह भी बता दें कि इस साल की शुरुआत में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने अमेरिकी दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण तकनीकी समझौते भी किये थे जिससे भारत को सैन्य रणनीतिक रूप से भी कई लाभ होंगे। उसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका की राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया था। डोभाल की यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका तीन अरब डॉलर से अधिक की लागत वाले 30 'एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन' के सौदे को अंतिम रूप देने के एकदम करीब पहुँच गये थे। माना जा रहा है कि मोदी की यात्रा के दौरान इस सौदे पर हस्ताक्षर किये जा सकते हैं। हम आपको बता दें कि इन ड्रोन्स की मदद से भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और हिंद महासागर के आसपास अपने समग्र निगरानी तंत्र को मजबूत करने में मदद मिलेगी। एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा रक्षा जरूरतों के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन जल्द से जल्द इस सौदे को अमली जामा पहनाना चाहता है, क्योंकि इससे अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राजनीतिक रूप से भी यह सौदा फायदेमंद होगा।

अमेरिका यात्रा का रणनीतिक महत्व

मोदी की अमेरिका यात्रा के रणनीतिक महत्व पर गौर करें तो आपको बता दें कि इस दौरान इस बात पर जोर रहेगा कि 'क्वाड' जैसे समूहों को कैसे मजबूत किया जाये। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी दौरे के दौरान अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित कर सकते हैं और इस दौरान भारत के बारे में विपक्षी नेताओं द्वारा विश्व स्तर पर फैलाये गये तमाम भ्रमों और अफवाहों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा, मोदी की अमेरिका यात्रा द्विपक्षीय सामरिक संबंधों के बढ़ते महत्व और दोनों पक्षों के एक खुले एवं स्वतंत्र हिन्द प्रशांत के विचारों को रेखांकित करती है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा दोनों देशों के समग्र और अग्रसर वैश्विक सामरिक गठजोड़ को और प्रगाढ़ बनाने का बहुमूल्य अवसर भी प्रदान करेगी। बताया जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं को कारोबार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, उद्योग, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, लोगों के बीच सम्पर्क सहित साझा हितों से जुड़े द्विपक्षीय मुद्दों की समीक्षा करने का अवसर प्राप्त होगा।

बापू की दिनचर्या

जलपान

विलायत प्रवास के विद्यार्थी जीवन में बापू सुबह के जलपान में ओटमील (जई) की लपसी और कोको लेते। बाद में उन्होंने अनुभव किया कि चाय, कॉफी, कोको-सभी का प्रयोग स्वास्थ्य तथा नैतिक ङ्क दोनों दृष्टियों से ठीक नहीं। फिर भी आश्रम में मेहमानों के लिए चाय की व्यवस्था वे अतिथ्यधर्म की दृष्टि से करते । दक्षिण अफ्रीका के टालस्टाय फार्म में सन् 1912 में उनका जलपान बहुत सादा होता। वहाँ सुबह छह बजे वे रोटी और गेहूँ की कॉफी लेते। गेहूँ को एक खास तरीके से खूब भून और पीसकर उसका उपयोग कॉफी के रूप में किया जाता। उस कॉफी के उबाले हुए पानी में दूध-चीनी मिलाकर वे पीते और उसमें कॉफी की तरह ही स्वाद का अनुभव करते, किंतु असली कॉफी का नशा बिलकुल नहीं होता। आश्रमवासी भी उनकी तरह गेहूँवाली कॉफी पीते। वहाँ उसमें गाय के दूध के बजाय डिब्बे का दूध काम में लिया जाता। विवशतावश ऐसा करना पड़ता। बाद में मूँगफली को पानी में पीसकर बनाया गया दूध कॉफी में इस्तेमाल होने लगा और डिब्बे का दूध हमेशा के लिए बंद हो गया। बापू दूध को मांसाहार मानते, क्योंकि रक्त, मांस और मज्जा के सत्त्व से ही वह बनता है। इसे वे फलाहार की श्रेणी में नहीं लेते। इसमें हिंसा भले न हो, परंतु प्रकारांतर से यह मांसाहार ही है, ऐसी उनकी धारणा थी। उनके मन में हमेशा यह भावना रही कि दूध मांस है और अहिंसाधर्म का विरोधी है। इसके अतिरिक्त, कलकत्ता जैसे शहरों में गाय-भैंस का दूध फूँका सरीखी अमानवीय तथा घातक प्रक्रिया से निकाले जाने का दृश्य उनके सामने था। इस प्रकार उनके दूध त्यागने में धर्म-भावना की प्रधानता थी। और भी एक कारण था। वह यह कि धनी और गरीबों के आहार में मौजूदा भेदभाव को वे अपने प्रयोगों से समाप्त करना चाहते। जब बापू लंदन में छात्रावास्था में थे, उस समय उन्होंने विचार किया कि यह प्राणिज द्रव्य यदि न लिया जाए तो कैसा हो? और, जब बच्चों को दूध नहीं मिल पाता, जिनका यह पूर्ण आहार है, तब बड़ी उम्र के लोग दूध के बिना निर्वाह कर सकते हैं।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

सीजीपीएससी 2021 टॉपर प्रज्ञा नायक ने की सीएम भूपेश बघेल से मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा-2021 में टॉपर्स रही प्रज्ञा नायक ने मुलाकात की। इस दौरान नायक के भाई प्रखर नायक भी मौजूद रहे। नायक का ष्टलक्ष्ट 2021 में 20वां रैंक है। मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासनिक सेवा के पदों पर अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण होने पर उनके मेहनत और लगन की सराहना करते हुए दोनों अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उनके माता-पिता महेश नायक, ज्योति नायक और विजय बन्छोर उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में घटी कोरोना की रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। राज्य में कल 2938 सैंपलों की जांच की गई, जिनमें से मात्र 59 लोगों की रिपोर्ट पॉजीटिव मिली है। इसह राज्य में संक्रमण की गति अब मंद पड़ गई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की माने तो इस समय प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार दर केवल 1.97 प्रतिशत रह गई है। प्रदेश भर में 2938 नमूनों की जांच में केवल 59 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है वहीं विभिन्न अस्पतालों में भर्ती 62 मरीजों को उपचार पश्चात छुट्टी दे दी गई है। बढ़ते संक्रमण में मामले में एक तरह से यह छत्तीसगढ़ के लिए राहत की खबर है, प्रदेश में धीरे-धीरे कोरोना का संक्रमण कम हो रहा है और किसी भी जिले से मौत की खबर नहीं है। प्रदेश में सबसे ज्यादा 9 कोरोना संक्रमित मरीज रायपुर जिले से मिले हैं। दंतेवाड़ा से 8 मरीजों की पुष्टि हुई है। दुर्ग जिले में 7 मरीज मिले हैं। बालोद से भी मरीजों की संख्या 7 है। बलौदाबाजार में 5 मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसी तरह कांकेर जिले से 4, कोरिया से 4, महासमुंद से 3, राजनांदगांव से भी 3 मरीज,धमतरी से 2, कबीरधाम से भी 2, बेमेतरा से 1, सरगुजा से 1, बिलासपुर से 1 और सूरजपुर जिले से भी 1 मरीज की पुष्टि हुई है।

धमतरी जिले की मेरिट सूची में कोमल ने हासिल किया नौंवा स्थान

बेलरगांव। धमतरी जिले के 10वीं के मेरिट लिस्ट में यूनिक रीड इंग्लिश मीडियम स्कूल बेलर गांव की छात्रा कोमल साहू पिता निरंजन कुमार साहू निवासी नवागांव बेलर ने मेरिट लिस्ट में 91.83त्नलेकर 9वें स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि पर दादा बलिराम साहू, चिंताराम ,चिन्तु राम ,बलभद्र अठभैया, यशपाल साहू -लक्ष्मी साहू,निरंजन -बसंती साहू, योगेंद्र - अम्बिका साहू,अक्षय- वेदवती ,विवेक, लीना,कंचन,धानी, बंटी, छोटू,हर्षित एवं समस्त परिजनों ने हार्दिक शुभकामनाएं,बधाइयाँ प्रेषित कर खुशी जाहीर किये हैं।कोमल ने अपनी इस सफलता का श्रेय खुद की कड़ी मेहनत माता पिता,दादा दादी का आशीर्वाद एवं गुरुजनों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। वह आगे भी इसी तरह खूब पढ़ लिख कर आगे बढ़ना चाहती है।

कलेक्टर ने लगाया नलकूप खनन पर प्रतिबंध

बिलासपुर। जिले में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने जिले के बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर, कोटा को आगामी आदेश तक जलाभाव ग्रस्त घोषित किया है। कलेक्टर ने ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए नलकूप खनन पर रोक लगा दी है। कलेक्टर ने इस आशय का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार इस अवधि में सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति के बिना कोई नया नलकूप पेयजल अथवा पेयजल के अलावा किसी अन्य प्रायोजन के लिए नलकूप खनन नहीं किया जा सकेगा। शासकीय एजेंसी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को संपूर्ण जिले तथा नगर पालिका निगम एवं नगर पंचायतों को केवल पेयजल हेतु अपने नगरीय निकाय सीमा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में नलकूप खनन हेतु अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी को एवं राजस्व अनुविभाग के तहत आने वाले क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपने क्षेत्र में नलकूप खनन आवश्यक होने पर अनुमति प्रदान करने एवं यदि किसी व्यक्ति या एजेंसी द्वारा अधिनियम के उल्लंघन में नलकूप खनन करते पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

डीएसपी पर गुंडागर्दी के आरोप, बच्चों के विवाद में युवक की पिटाई का है मामला

बिलासपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिले की अलग-अलग विधानसभा में भेंट मुलाकात का कार्यक्रम कर रहे हैं। कार्यक्रम के लिए कबीरधाम (कवर्धा) से डीएसपी बटालियन, असिस्टेंट कमांडेंट जगदीश मिश्रा की वीवीआइपी ड्यूटी लगाई गई है। वे ड्यूटी करने शहर पहुंचे हैं। डीएसपी जगदीश मिश्रा पर आरोप है कि उन्होंने शुक्रवार शाम एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। वर्दी की ताकत युवक पर दिखाते हुए डीएसपी ने युवक का सिर फोड़ दिया। जिसके बाद युवक को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि वहीं खुद पर मामला दर्ज होने की जानकारी लगते ही डीएसपी भी निजी अस्पताल में भर्ती हो गए।वहीं अब परिवार पर काउंटर केस करने की तैयारी में जगदीश मिश्रा लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

भूपेश बघेल ने बिलासपुर और बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में भेंट-मुलाकात के दौरान दी अनेक विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बिलासपुर में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत बिलासपुर एवं बिल्हा विधानसभा के क्षेत्रवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 266 करोड़ 58 लाख रूपये की राशि के 19 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 56 करोड़ 46 लाख रुपए से अधिक राशि के 21 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने बिल्हा विधानसभा के क्षेत्रवासियों को भी बड़ी सौगात देते हुए 34 करोड़ 71 लाख रूपए से अधिक की राशि के 11 विकास कार्यों को लोकार्पण किया एवं 116 करोड़ 14 लाख रूपए से अधिक की राशि के 18 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस तरह लगभग 474 करोड़ रूपए राशि के 69 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र आगमन पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने क्षेत्रवासियों को सौगात देते हुए उन्नयन कार्य दिव्यांग छात्र-छात्राओं के समावेशी केंद्र में एवं प्रशिक्षण हाल निर्माण शहरी स्त्रोत केंद्र नेहरू नगर बिलासपुर, सैनिक कल्याण कार्यालय बिलासपुर में इसीएचएस पॉली क्लिनिक अस्पताल भवन का निर्माण, तोरवा में शहरी महिला आजीविका केंद्र के निर्माण, मोपका तोरवा मार्ग से शनि मंदिर चिल्हाटी मार्ग के 1.80 किमी में सड़क मजबूतीकरण कार्य, नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर सघन वृक्षारोपण, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय बिलासपुर स्थापना हेतु भवन उन्नयन कार्य, फूटओवर ब्रिज निर्माण कार्य मुंगेली रोड पर, नगर निगम क्षेत्र सार्वजनिक भवनों के बाहर फसाड लाईटिंग, स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय योजनांतर्गत चयनित शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में उन्नयन कार्य, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक शाला सरकण्डा एवं शासकीय हाई स्कूल चिंगराजपारा में उन्नयन कार्य, जिले में साथी परियोजनांतर्गत प्रसंस्कृत मिलेट तथा मूल्यवर्धक एवं फोर्टिफाईड मिलेट आधारित उत्पादों के विक्रय हेतु मिलेट कैफे निर्माण कार्य, जिला बिलासपुर के अंतर्गत आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु टेलरिंग शेड में सिलाई मशीनरी उपकरण एवं सामग्री संधारण व संचालन कार्य, नव-सम्मिलित ग्रामीण क्षेत्र में प्रस्तावित विकास कार्य, शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, मंडी बोर्ड निधि से कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर की थोक फल सब्जी उपमंडी तिफरा में सीसी रोड, नाली एवं विद्युतीकरण कार्य, छत्तीसगढ़ चौक आनंद निकेतन के सामने स्व. श्री बंशीलाल घृतलहरे जी की आदम कद प्रतिमा स्थापना एवं चौक सौंदर्यीकरण, राजकिशोर नगर चौक में स्व. श्री बिसाहू दास मंहत की आदमकद प्रतिमा स्थापना एवं चौक सौंदर्यीकरण कार्य, बन्नाक चौक सिरगिट्टी में स्व. श्रीमती बिन्देश्वरी बघेल जी की आदमकद प्रतिमा स्थापना एवं चौक सौंदर्यीकरण, इंदू चौक में स्व. श्री रामाधार कश्यप जी की आदम कद प्रतिमा स्थापना कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। शहरी हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर लोधीपारा एवं तिफरा का उन्नयन, राष्ट्रीय राज्यमार्ग 49 में लाल खदान आरओबी से पावर हाउस चौक तक मार्ग लंबाई 1.10 किमी फोरलेन में चौड़ीकरण एवं डामरीकरण कार्य एवं गुरूनानक चौक से जगमल चौक मार्ग लंबाई 1 किमी फोर लेन में चौड़ीकरण एवं डामरीकरण कार्य, स्वामी आत्मानंद शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी माध्यम विद्यालय उन्नयन कार्य, स्वामी आत्मानंद लालबहादुर शास्त्री उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी माध्यम विद्यालय उन्नयन कार्य, स्वामी आत्मानंद शहीद अविनाश शर्मा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट हिन्दी माध्यमिक कन्या विद्यालय उन्नयन कार्य, मल्टीलेवल कार पार्किंग कलेक्टोरेट परिसर, इंटीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर, जीआईएस बेस्ड पॉपर्टी सर्वे विथ आधार सीडिंग, विभिन्न सड़कों के लिए सौर प्रावधान के साथ मौजूदा सड़क और सहायक रोशनी को दोहरे फीड में परिवर्तित करने के लिए हाइब्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली, ज्वाली पुल से पचरी घाट रोड पर स्लैब कवरिंग, शहर में 20 स्थानों पर वाई फाई सुविधा, वेयर हाउस रोड पर दिव्यांगों के लिए फुटपाथ एवं साईकिल ट्रेक निर्माण, कोन्हेर गार्डन का विकास, मुख्यमंत्री द्वारा 3 जनवरी 2021 को किए गए घोषणाओं के तहत 201 विभिन्न विकास कार्य, सिरगिट्टी जल आवर्धन योजना, राजकिशोर नगर व्यावसायिक काम्पलेक्स निर्माण कार्य एवं मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इसी तरह मुख्यमंत्री ने बिल्हा विधानसभा के क्षेत्रवासियों को भी सौगात देते हुए सड़क नवीनीकरण कार्य एल 54 शारदा से खेखसही लंबाई 3 किमी, एसएच हरदी लंबाई 0.60 किमी, बरतोरी से बेलटुकरी लंबाई 4.02 किमी, बिल्हा दगौरी रोड से उड़गन लंबाई 1.05 सड़क नवीनीकरण कार्य, उप स्वास्थ्य केंद्र लगरा, 50 सीटर पोस्ट मेट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास बिल्हा, बोदरी बोड़सरा से खुड़ीयाडी होते हुए झाल तक मेनरोड़ निर्माण लंबाई 4 किमी पुल पुलिया सहित, दगौरी भोजपुरी 9 किमी मजबूतीकरण कार्य, कुंआ से बोड़सरा रोड एवं फदहा से बोहारडीह रोड तक 4 किमी, विक्रय कर कार्यालय भवन निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वृहद पुल निर्माण अमलडीहा से दगौरी व्या घोघरा चोरहाभौना उड़नताल लंबाई 0.160 किमी, वृहद पुल निर्माण अमलडीहा से दगौरी व्या घोघरा चोरहाभौना उड़नताल लंबाई 0.120 किमी, वृहद पुल निर्माण अमलडीहा से दगौरी व्या घोघरा चोरहाभौना उड़नताल लंबाई 0.100 किमी, वृहद पुल निर्माण अमलडीहा से करही व्या पथरखान देवकिरारी सोनपुरी लंबाई 0.80 किमी, मुख्यमंत्री जतन योजनांतर्गत विकासखण्ड बिल्हा अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक शाला एवं हाईस्कूल के 68 शाला भवनों में उन्नयन कार्य, आश्रय दत्त कर्मशाला तिफरा में दिव्यांगों के व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु निर्मित 100 बिस्तर के छात्रावास सह प्रशिक्षण भवन में बाउण्ड्रीवाल, नाली निर्माण कार्य, पेवर ब्लॉक एवं एप्रोच रोड कार्य, डबलूबीएम सड़क निर्माण नगपुरा बस्तरी से डडहा बस्ती की ओर 2000 मीटर, ग्राम अमलडीह, धमनी एवं गोढ़ी में एकल ग्राम योजना, उप स्वास्थ्य केंद्र दोमुहानी, तहसील कार्यालय भवन बोदरी का निर्माण, शिवनाथ नदी पर घोघरा एनीकट औद्योगिक, रायपुर मेन रोड से बोदरी चकरभाठा एयरपोर्ट लिंक रोड मार्ग का उन्नयन एवं चौड़ीकरण कार्य, बिल्हा बरतोरी अमलडीह मार्ग लंबाई 18.30 किमी मजबूतीकरण एवं डामरीकरण कार्य, बिलासपुर पासिद मार्ग के 12 किमी का उन्नयन एवं नवीनीकरण कार्य, लाईलीवुड कालेज बिलासपुर में 100 मीटर बालक छात्रावास एवं अधीक्षक सह चौकीदार आवास गृह निर्माण एवं चकरभाठा एयरपोर्ट के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया।

धमधा में सिविल कोर्ट का शुभारंभ

क्षेत्र के लोगों को मिलेगा सुलभ न्याय

दुर्ग। दुर्ग जिले के तहसील मुख्यालय धमधा में आज सिविल कोर्ट का शुभारंभ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के माननीय न्यायधीश गौतम भादुड़ी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि न्यायाधीश गौतम भादुड़ी ने कहा कि न्याय के लिए लोगों को अपने आप मे आत्मविश्वास बनाये रखना होगा। न्याय के लिए दूसरों की व्यथा को समझने का प्रयास होना चाहिए। साथ ही लोगों का न्याय पर भरोसा रहना चाहिए। मुख्य अतिथि न्यायधीश भादुड़ी ने यह भी कहा कि सिविल कोर्ट खुलने से न्यायालयीन प्रकिया लोगों की समय की बचत होगी। सिविल कोर्ट व्यवस्था से न्याय आपके द्वार की सोच साकार हो रही है। इस न्याय के मंदिर में पीड़ित व्यक्ति को उनका अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस कोर्ट से अभी 797 प्रकरण सम्बद्ध है। यहां के प्रकरणों के निराकरण में वरिष्ट अधिवक्ताओं का भी सहयोग होना चाहिए। उन्होंने सिविल कोर्ट शुभारंभ पर लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिला न्यायालय दुर्ग के कार्यवाहक सत्र न्यायाधीश शैलेष कुमार तिवारी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम को जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुश्री नीता जैन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अधिवक्तागण, स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे राज्य में नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारम्भ

रायपुर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा ब्रह्माकुमारीज ने नशामुक्त भारत के लिए बड़ी पहल की है। दोनों के बीच तीन वर्ष के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जिसके अन्तर्गत देश भर में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर दस करोड़ लोगों को नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में देश के 372 जिलों में स्थित स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और सामाजिक संस्थाओं में लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणों के बारे में जागरूक करने के लिए सेमीनार और मोटिवेशनल वर्कशाप आयोजित किए जाएंगे। राज्य में नशा मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारम्भ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में रविवार 14 मई को सुबह 10.30 बजे समारोह आयोजित किया गया है। समारोह में मुख्यमंत्री के अलावा वरिष्ठ विधायक और राज्य में शराबबन्दी लागू करने के लिए गठित अध्ययन समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, छ.ग. गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, गृह सचिव अरूण देव गौतम, माउण्ट आबू से पधारे मेडिकल विंग के अध्यक्ष डॉ. बनारसी लाल शाह, डॉ. सचिन परब, क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, बी.के. आशा दीदी आदि भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि ब्रह्माकुमारी संस्थान के मेडिकल विंग द्वारा पिछले तीस सालों से देश भर में पांच हजार सेवाकेन्द्रों के माध्यम से नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप आज लाखों लोग आध्यात्मिकता को अपनाकर नशामुक्त जीवन जी रहे हैं। जगदलपुर में 65 ग्रामों में यह संस्थान राजयोग के द्वारा नशामुक्ति के लिए कार्य कर रही है जिससे हजारों परिवारों में खुशियाँ लौटी हैं।

जुनेजा ने एसपी के साथ किया मौदहापारा सिग्नल का शुभारंभ

रायपुर। शहरो में बढ़ती जनसंख्या के कारण हर चौक चौराहों पर जाम की समस्या रहती है। पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार शहरो के सड़को पर विभिन्न तर्को से ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे है। उत्तर विधानसभा विधायक एवं छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह जुनेजा ने रायपुर पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल को पूर्व में ट्रैफिक व्यवस्था के बारे में अवगत कराया था। एसपी ने जुनेजा के विधायक कार्यालय पहुंचकर कानून एवं लोक व्यवस्था व अपराध नियंत्रण के बारे में चर्चा की। श्री जुनेजा ने शहर के विभिन्न स्थानों में ट्रैफिक पुलिस प्रशासन के साथ दौरा कर देवेंद्र नगर ओवर ब्रिज के नीचे, महिला थाना के सामने, शास्त्री चौक मस्जिद के सामने मल्टी रोड होने से जाम लगती थी जहा रोटेट्री लगाकर ट्रायल सफल होने पर स्थाई रोटेट्री बनाकर ट्रैफिक नियंत्रण पर आया। विधायक श्री कुलदीप जुनेजा, एस पी प्रशांत अग्रवाल व डीएसपी ट्रैफिक पुलिस गुरजीत सिंह ने विधिवत पूजन कर श्रीफल तोड़कर एवं बटन दबाकर मौदहापारा सिग्नल लाइट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रायपुर एस पी प्रशांत अग्रवाल, डी एस पी ट्रैफिक पुलिस गुरजीत सिंह,पार्षद सुरेश चन्नेवार,पार्षद अनवर हुसैन, पूर्व पार्षद राधे श्याम विभार ,सेवक महानंद, सचिन अग्रवाल, गौतम यादव, रोहित, अक्कू एवम पुलिस व ट्रैफिक पुलिस उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की कर्नाटक पर जीत का जश्न

रायपुर। कर्नाटक चुनाव में जीत से कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उत्साहित हैं। कांग्रेसी जश्न मना रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी ढोल नगाड़े लेकर कार्यकर्ता नाचते गाते और खुशियां मनाते नजर आ रहे हैं। कांग्रेसियों का कहना है कि बजरंगबली के आशीर्वाद से कर्नाटक में कांग्रेस ने जीत हासिल की है। कांग्रेसी यह दावा भी कर रहे हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कई राज्यों में जीत दर्ज करेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को उखाड़ फेकेंगे।

कांग्रेसी अब यह नारा लगा रहे हैं कि कर्नाटक की जनता का संदेश, कांग्रेस पार्टी संभाले सारा देश।कांग्रेस नेताओं का यह भी कहना है कि कर्नाटक के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पूरी विश्वसनीयता को दांव पर लगा दिया था। मोदी के पास अपने काम और सरकार के नाम पर वोट मांगने की हिम्मत नहीं थी। ऐसे में उन्होंने बजरंगबली का सहारा लिया था। पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा का कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का मुख्य कारण भाजपा के लोगों का झूठ है। भाजपा लोगों को गुमराह कर कभी

भगवान के नाम पर, कभी लव जिहाद के नाम पर तो कभी हिंदू मुस्लिम का नाम लेकर चुनाव जीतना चाहती थी। भाजपा झूठ के ऊपर झूठ बोलकर लोगों को इमोशनल ब्लैकमेल करती है। जनता अब इस बात को अच्छी तरह से समझ चुकी है। इसलिए भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

40 प्रतिशत कमीशनखोरी की सरकार गई

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि निश्चित तौर पर कर्नाटक की जनता सरकार की 40 फीसदी कमीशनखोरी से त्रस्त थी। कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस की रीति, सिद्धांत, एजेंडा और वादे पर भरोसा कर जीत दिलाई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बांटी मिठाई

■ जमकर झूमे कांग्रेसी

रायपुर। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत मिलने पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस में खुशी की लहर है। रायपुर के कांग्रेस भवन में कांग्रेसियों ने ढोल नगाड़े बजाकर जमकर झूमे। इस दौरान जोरदार आतिशबाजी की गई। कांग्रेस नेताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। जमकर जश्न मनाया। इस दौरान सीएम भूपेश बघेल ने पुलिस परेड ग्राउंड स्थित हेलीपेड में पत्रकारों को मिठाई बांटी। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने इस मौके पर कहा कि कर्नाटक की जनता का संदेश, कांग्रेस सम्हाले सारा देश। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि बजरंग बली ने अपने नाम का दुरुपयोग करने वाली कालनेमियों की पोल खोलकर रख दिया है। कर्नाटक की जनता ने भाजपा के भ्रष्टाचार कुशाशन के खिलाफ वोट दिया है। कर्नाटक से लोकतंत्र की जड़े पुष्पित पल्लवित हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि हम छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी जीतेंगे। देश में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। बता दें कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती जारी है। रुझानों में कांग्रेस की बढ़त दिख रही है। कांग्रेस बहुमत की ओर जाते दिख रही है। 10 मई को सूबे की 224 विधानसभा सीटों पर 72.82 फीसदी लोगों ने वोट डाले थे। इस बार के चुनाव में कुल 2,615 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई है।

गुंडरदेही विधानसभा का चुनावी समीकरण और इतिहास

बालोद । बालोद जिले का गुंडरदेही विधानसभा सीट, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल के विधानसभा क्षेत्र पाटन से जुड़ा हुआ है। पाटन विधानसभा के कारण गुंडरदेही विधानसभा का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। पिछले चुनाव में इस सीट पर कांग्रेस के कुंवर सिंह निषाद ने बाजी मारी थी। कुंवर सिंह निषाद ने बीजेपी के दिग्गज नेता ताराचंद साहू के बेटे को हराया था। कुंवर सिंह निषाद ने पिछला चुनाव 55 हजार से ज्यादा वोटों से जीता था।

दोनों ही प्रत्याशियों का आखिरी समय में चयन

कांग्रेस पार्टी से कुंवर सिंह निषाद और भारतीय जनता पार्टी से दीपक ताराचंद साहू को टिकट मिला था। लेकिन दोनों ही प्रत्याशियों की राजनीति में सक्रियता कम थी।ऐसा माना जा रहा था कि ताराचंद साहू के बेटे दीपक साहू को जनता अपना आशीर्वाद देगी। लेकिन ऐसा ना हो सका। कुंवर सिंह निषाद ने ये चुनाव भारी मतों से जीता।

साल 2018 के विधानसभा चुनाव परिणाम की बात करें तो कुंवर सिंह निषाद को 1,10,369 मत मिले।वहीं बीजेपी के दीपक साहू को 54,975 और जेसीसीजे के राजेंद्र कुमार राय को 8648 वोट मिले।

मतदाताओं की स्थिति

गुण्डरदेही विधानसभा में वर्तमान में 2 लाख 35 हजार 513 मतदाता हैं। जिसमें पुरुष मतदाता 117977, महिला मतदाता 117529 वहीं अन्य मतदाता की संख्या 7 है।

किस समाज का है दबदबा

बालोद विधानसभा में अलग-अलग समुदाय और अलग-अलग जाति से कैंडिडेट विधायक बन रहे हैं। पूर्व में जहां साहू समाज, ओबीसी वर्ग और भारतीय जनता पार्टी का दबदबा रहा। उसके बाद आदिवासी वर्ग से पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार राय ने विधायक के रूप में अपनी जगह बनाई। पिछले चुनाव में निषाद समाज से कुंवर सिंह निषाद विधायक के रुप में काबिज हैं।

ये हो सकते हैं मुद्दे

बालोद जिले के गुंडरदेही विधानसभा की बात करें तो यहां पर अवैध शराब एक बड़ा मुद्दा है। वहीं अंदरूनी क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति काफी खराब है। सिंचाई की बात करें तो पहले मटिया मोती बांध से पानी दिया जाता था।अब वह भी बंद हो गया है। गुंडरदेही विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी हो या कांग्रेस चुनाव में चेहरा ही मायने रखेगा। कुंवर सिंह के हिसाब से मिलनसार जुझारू व्यक्तित्व की तलाश भारतीय जनता पार्टी को करनी पड़ेगी। वहीं उस क्षेत्र में जिला पंचायत सदस्य भी काफी सक्रिय हैं। भारतीय जनता पार्टी की बात करें तो पूर्व विधायक क्षेत्र में सक्रिय हैं और टिकट के लिए उम्मीदवारी का दम भर रहे हैं।

अब और आक्रामक होगी ईडी

कहा जा रहा है कि कर्नाटक में भाजपा की हार के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ में ज्यादा आक्रामक होंगे। माना जा रहा है कि ईडी की कार्रवाई तेज होगी। कुछ अफसरों, कारोबारियों और राजनेताओं की गिरफ्तारी हो सकती है। कुछ अफसर और कारोबारी राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण में गए हैं , लेकिन सुप्रीम कोर्ट से तत्काल कोई राहत मिल जाए, इसकी संभावना कम ही नजर आ रही है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में ग्रीष्मकालीन अवकाश हो गया है। फिर सुप्रीम कोर्ट में याचिका के बाद आबकारी विभाग के अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को ईडी ने गिरफ्तार कर ही लिया। त्रिपाठी को ईडी ने मुंबई से धर दबोचा। आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद ईडी की जद में आए अफसरों, कारोबारियों और राजनेताओं के लिए नई संभावना जगी थी , पर ए पी त्रिपाठी की गिरफ्तारी के बाद रास्ता बंद दिख रहा है। खबर है कि जिन अफसरों, कारोबारियों और राजनेताओं के यहां ईडी के छापे पड़ चुके हैं , उन पर गिरफ्तारी का खतरा ज्यादा मंडरा रहा है। कहते हैं कारोबारी गुरुचरण सिंह होरा के लिए अगला हफ्ता संकट का रह सकता है।

कही-सुनी

रवि भोई

शैलजा की बैठक में मंत्री की खरी-खरी

कहते हैं कि 10 मई को कांग्रेस महासचिव शैलजा की बैठक में राज्य के एक मंत्री ने अपनी बात खरी-खरी रख दी। शैलजा ने 2023 के विधानसभा चुनाव की रणनीति के लिए इस दिन मंत्रियों की बैठक ली थी। बैठक में मंत्रियों ने खुलकर अपनी बातें रखीं। चर्चा है कि एक मंत्री ने एक नेता को खरी-खरी सुना दी, जिससे बैठक में माहौल गर्म हो गया। कहा तो जा रहा है बात तू-तड़ाक तक पहुँच गई थी। शैलजा ने स्थिति को संभाला और दोनों को शांत किया। खबर है कि मंत्री जी अपने जिले में एसपी की पोस्टिंग को लेकर खफा हैं। बैठक में उन्होंने आरोप लगा दिया कि उन्हें नुकसान पहुंचाने और चुनाव में हराने के लिए विवादित अफसर को उनके जिले में भेजा गया है। उन्होंने तल्ख़ लहजे में कह दिया कि एसपी-कलेक्टर न तो चुनाव जिता सकते हैं और न ही हरा सकते हैं।

सांसद को भेंट-पूजा

चर्चा है कि एक आईएफएस अधिकारी ने अपनी गर्दन बचाने के लिए राज्य के एक सांसद को चढ़ावा दिया। कहते हैं कि सांसद ने आईएफएस की नब्ज पकड़ ली थी। सांसद जी ने अफसर की नब्ज इतनी मजबूत पकड़ ली थी कि साहब की कुर्सी हिलने लगी थी। कुर्सी बचाने के लिए अधिकारी महोदय भेंट-पूजा का सहारा लिया, तो सांसद महोदय मान गए। खबर है कि चढ़ावा भारी-भरकम रहा। हल्ला तो है कि सांसद जी के सम्मान में भेंट %खोखे% में किया गया। कहा जा रहा है कि सांसद जी अफसर का नस दबा देते तो उनकी कुर्सी चली जाती।अफसर कई सालों से एक ही जगह पर कुंडली मारकर बैठे हैं और वह भी शक्कर के ढेर पर।शक्कर की सप्लाई लाइन भारत सरकार से जुड़ी हुई है। इस कारण सांसद जी को साधना अफसर की मज़बूरी थी। सांसद जी को नहीं साधते तो अफसर का भविष्य ही चौपट हो जाता।

दो मंत्री भी ईडी के निशाने में

कहते हैं राज्य के दो मंत्री अब ईडी के निशाने पर हैं। एक मंत्री के विभाग के कुछ अफसर ईडी की चपेट में आ चुके हैं। दूसरे मंत्री के विभाग का कच्चा-चिट्ठा अब ईडी खोलने वाली है। कहा जा रहा है कि विभाग के अफसर ईडी के लपेटे में आ रहे हैं तो मंत्री पर भी आंच आना स्वाभाविक है। चर्चा है कि दूसरे मंत्री के विभाग के कई अफसर जल्दी ही लपेटे में आने वाले हैं। इस विभाग के कुछ महत्वपूर्ण कामों के लिए भारत सरकार से धन सीधे आता है। खबर है कि भारत सरकार से मिली राशि का उपयोग दूसरे मद में कर लिया गया। ईडी अब इसे जाँच के दायरे में लेने वाली है। राशि के गलत इस्तेमाल को लेकर भाजपा के कई नेताओं ने केंद्र सरकार से शिकायत की थी। इस आधार पर ईडी अपने कदम बढाने जा रही है। अब देखते हैं आगे क्या होगा।

कर्नाटक चुनाव के लिए हवाला

खबर है कि छत्तीसगढ़ के एक अफसर ने कर्नाटक चुनाव के लिए करोड़ों रुपए हवाला किया। अधिकारी महोदय भाजपा राज्य में मलाईदार पद पर थे और कांग्रेस राज में भी मलाईदार पद पर हैं। अब हवाला से करोड़ों रुपए भाजपा के लिए भेजा या कांग्रेस के लिए, यह चर्चा का विषय बना हुआ है। कहते हैं इस हवाला का लिंक मिलने के बाद ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने पिछले दिनों रायपुर के कुछ हवाला कारोबारियों के ठिकाने पर छापा मारा। लोगों को अब ईडी के अगले कदम का इंतजार है। कहा जा रहा है कि अफसर अपना काम कर सैर-सपाटे के लिए विदेश चले गए हैं। वैसे अफसर को अकूत संपत्ति का मालिक बताया जा रहा है और उनकी अचल संपत्तियों को लेकर चर्चा गर्म है।

बिलासपुर के दो कांग्रेस नेता भिड़े

कहते हैं 12 मई को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बिलासपुर पहुँचने से पहले कांग्रेस के दो नेता आपस में भिड़ गए। राज्य के एक मंत्री की मौजूदगी में दोनों नेताओं के बीच भिड़ंत चर्चा का विषय बना हुआ है। कहा तो जा रहा है कि दोनों के बीच हाथापाई भी हो गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भेंट -मुलाक़ात कार्यक्रम के तहत बिलासपुर पहुंचना था, उसके पहले नूरा-कुश्ती हो गई। खबर है आपस में भिड़ने वाले नेताओं में एक जिला स्तर का है, तो दूसरा प्रदेश का जाना-पहचाना नाम है।

खुली हवा में सांस कब तक

ईडी ने पिछले दिनों कुछ कोल और शराब स्कैम की आंच में झुलसे कुछ नेताओं, अफसरों और कारोबारियों की संपत्ति और नगद को राजसात कर लिया है । इनमें से कुछ लोग तो जेल में हैं या फिर ईडी की गिरफ्त में, पर कुछ ऐसे हैं जो खुली हवा में सांस ले रहे हैं। कहा जा रहा है कि इनकी आजादी बहुत दिनों की नहीं है। ये या तो जेल जाएंगे या फिर जेल जाने से बचने के फेर में चप्पल घिस डालेंगे। चर्चा है कि संपत्ति अटैच हो जाने से राजनेताओं और अफसरों का कैरियर भी प्रभावित हो जाएगा। अब लोगों को ईडी के अगले कदम का इंतजार है कि स्कैम की चपेट में आए नेताओं और अफसरों को संपत्ति अटैच कर राहत दे देती हैं या सख्त रुख अपनाती है।

शिक्षा संचालनालय में प्रयोग के मायने

कर्मचारियों के नजरिए से देखें तो स्कूल शिक्षा विभाग काफी बड़ा है। सरकार ने स्कूल शिक्षा संचालनालय (डीपीआई) में नया प्रयोग कर दो डिप्टी कलेक्टरों को एडिशनल डायरेक्टर बना दिया है। अब तक शिक्षा विभाग के अफसर ही एडिशनल डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। मजेदार बाद है कि दोनों डिप्टी कलेक्टर प्रमोटी हैं और तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर बने हैं। तहसीलदार रहते एक डिप्टी कलेक्टर के किस्से-कहानियां राज्य के एक बड़े जिले में बड़ी चर्चित थी। अब देखते हैं दोनों डिप्टी कलेक्टर शिक्षा में क्या अलख जगाते हैं। वैसे दोनों की पोस्टिंग का कर्मचारी संघ विरोध कर रहे हैं।

मानस मंडली प्रतियोगिता रायपुर में 27 से 29 मई को

संस्कृति मंत्री ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की

रायपुर। संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने कहा कि रायपुर में मानस मंडलियों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लिए जाए। श्री भगत आज अपने निवास स्थित कार्यालय में विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहें थें। गौरतलब है कि राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता रायपुर में 27 से 29 मई आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक जिलें से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मानस मंडलियां शामिल होंगी।

बैठक में संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य ने बताया कि रायपुर में डे भवन में स्वामी विवेकानंद स्मृति संस्थान की स्थापना और मानव संग्रहालय के निर्माण हेतु भी वित्त विभाग से मंजूरी प्राप्त हो गयी है। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप माता कौशल्या महोत्सव का सफल आयोजन हाल ही में चंद्रखुरी में किया जा चुका है। आगामी 1 से 3 जून तक राष्ट्रीय रामायण प्रतियोगिता का आयोजन रायगढ़ जिले में आयोजित किया जा रहा है। इसमें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर) के माध्यम से विदेशी दलों को भी आमंत्रित किया गया है।

बैठक में संस्कृति मंत्री ने नया रायपुर में फिल्म सिटी के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण, समस्त जिलों में गढ़ कलेवा खोले जाने, कलाकारों के गत वर्ष के स्वीकृत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लंबित भुगतान, कलाकारों के ग्रेडेशन संशोधन तथा कलाकारों के मानदेय भुगतान शीघ्र किये जाने के निर्देश दिये। मंत्री श्री भगत ने गढ़ कलेवा की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के 33 जिलों में से 16 जिलों में गढ़ कलेवा का संचालन किया जा रहा है। शेष जिलों में भी इस वर्ष गढ़ कलेवा का संचालन शुरू हो जाएगा।

बैठक में छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के सचिव डॉ. अनिल भतपहरी, उपसंचालक श्री जे.आर भगत, श्री उमेश कुमार मिश्रा, डॉ. (श्रीमती) तनुजा बघेल, डॉ. प्रताप चंद पारख सहित पुरातत्ववेत्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बघेल ने मल्टीलेवल कार पार्किंग का लोकार्पण कर शहरवासियों को दी सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बिलासपुर विधानसभा में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कलेक्टोरेट परिसर में लगभग 25 हजार वर्गफीट में निर्मित मल्टीलेवल कार पार्किंग का लोकार्पण कर शहरवासियों को सौगात दी। मल्टीलेवल कार पार्किंग से अब ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी।

16 करोड़ 88 लाख रूपये की लागत से निर्मित मल्टीलेवल कार पार्किंग में बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर के अलावा दो फ्लोर और बनाया गया है, जिसमें 257 कार और 333 बाइक पार्किंग की क्षमता है। इस बिल्डिंग में सीढ़ियों के अलावा दो लिफ्ट भी लगाया गया है तथा आपातकाल के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम भी है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कर्नाटका से भाजपा के पतन की शुरूआत हो गयी : मोहन

रायपुर। कर्नाटका जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कर्नाटक की जनता को दिल से धन्यवाद देता हू यह ऐतिहासिक जीत है कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो पदयात्रा में लभगग 4 हजार किमी पैदल चले थे देश की एकता, अखण्डता, भाईचारा करने के लिये यह जीत उसी भाईचारे के संदेश की जीत है भाजपा की मोदी सरकार नफरत की राजनीति, धर्म की राजनीति, संप्रदाय के नाम से राजनीति करती है पर भाजपा के मनसूबे पूरा नही हुये कर्नाटका के लोगों ने बता दिया कि यह देश सभी धर्मो और सभी वर्गो का है। वहां कि जनता ने विकास के एजेण्डे पर वोट किये है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटका के धरती पुत्र है, माटी पुत्र है। भाजपा ने उनके परिवार को मारने का षडयंत्र रचा था। जनता ने भाजपा के विरूद्ध वोट करके दिखा दिया कि वह भाजपा के षडयंत्रो का जवाब दिया है। जनता ने मल्लिकाअर्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वहां का स्थानीय नेतृत्व को वोट दिया है। यह जीत लोकतंत्र को एकसूत्र मे लाने की जीत है। भाजपा को इससे करारा झटका लगा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कर्नाटका की जनता का संदेश कांग्रेस संभालेगी सारा देश कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला। भाजपा की सारी की सारी हेकड़ी कर्नाटक की जनता ने निकाल रख दी है।

मुझ पर तरस खाने वाले मुख्यमंत्री जनता पर कब तरस खाएंगे: अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उन पर (श्री साव पर) तरस खाने वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सवाल किया है कि मुख्यमंत्री बघेल को उन पर (श्री साव पर) तरस तो आ रहा है लेकिन प्रदेश की जनता, जो कांग्रेस के कुशासन से पीड़ित है, पर वे कब तरस खाएंगे? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने तो छत्तीसगढ़ का पूरा खजाना ही लूट लिया है, जनता के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा है। प्रदेश की जनता उत्पीड़ित-पीड़ित, आश्चर्यचकित-आक्रोशित और प्रताड़ित-परेशान है। कांग्रेस के शासनकाल में छत्तीसगढ़ में पहले कोयला घोटाला और उसके बाद चावल, शराब, यूनिपोल, डीएमएफ, स्मार्ट सिटी, पोस्टर, तबादला, गोबर, गौठान, आयरन आदि घोटालों का सिलसिला ही सामने आया है। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश की जनता को लुटने का काम किया है। अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री बघेल घोटालों पर घोटाले करते रहे और जनता पाई-पाई को मोहताज होती गई, अपना हक पाने तरसती रही श्री साव ने कहा, जनता पर तरस खाकर मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ़ का खजाना लूटना बंद करें और जो लूटा है वह प्रदेश की जनता को वापस लौटाएँ।

व्यावसायिक पाठ्क्रम में प्रवेश परीक्षा के लिए कार्यक्रम निर्धारित

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षण मण्डल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में राज्य के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों- प्री.बीएड, प्री डीएलएड, बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग में प्रवेश परीक्षा के लिए कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल से प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्धारित कार्यक्रम अनुसार इन सभी पाठ्क्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 13 मई से 28 मई तक लिए जाएंगे। त्रुटि सुधार के लिए प्री.बीएड, प्री.डीएलएड, बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग के लिए 29 मई से 31 मई तक का समय दिया गया है। प्री.बीएड, प्री.डीएलएड के लिए प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि 9 जून तथा बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग के लिए प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि 16 जून निर्धारित की गई है। प्री.बीएड, प्री.डीएलएड के लिए परीक्षा 17 जून को तथा बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग के लिए परीक्षा 24 जून को होगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बजट सत्र के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप लिखित परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी प्रतिभागियों से किसी भी प्रकार का परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा।

कर्नाटका की जनता ने भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे को नकार दिया- कांग्रेस

रायपुर। कर्नाटक की जनता ने भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे को भी नकार दिया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केंद्र में कर्नाटका में दोनों जगह भाजपा की सरकार थी उसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित एक भी भाजपा नेता केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों के आधार पर जनता से वोट मांगने का साहस नहीं जुटा पायें। प्रधानमंत्री अपने 9 साल की उपलब्धियों का जिक्र तक चुनाव में नहीं कर पाये। प्रधानमंत्री जनता से बजरंग बली के नाम पर वोट मांग रहे थे, जनता ने भाजपा और प्रधानमंत्री के मुद्दों से भटकाने की राजनीति का विरोध किया और भाजपा के खिलाफ मतदान किया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत डबल इंजन का नारा लगाने वालों पर करारा चोट है। कर्नाटक की जनता वादा निभाने वाले और जनता की आवाज सुनने वाली सरकार चाहती है जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने जनता से किए 36 बिंदुओं के वादों में से 90 प्रतिशत वादों को पूरा किया है। उसके अलावा अनेक जनकल्याणकारी योजना बनाकर प्रदेश के हर वर्ग के साथ न्याय किया है और एक विश्वास अर्जित की है कर्नाटक की जनता भी ऐसी सरकार कर्नाटक में चाहती थी।

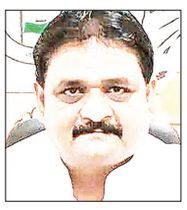

भाजपा मीडिया विभाग ने समझी शराब घोटाले की बारीकियां

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया विभाग ने शनिवार को एकात्म परिसर स्थित कार्यालय में स्टडी सर्किल आहूत की। इस मौके पर विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने बताया यह बैठक भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया पैनलिस्ट के लिए विशेष तौर पर शराब घोटाले से जुड़े तथ्य साझा करने के लिए आयोजित की गई, ताकि कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए घोटाले के तथ्य जन जन तक पहुंच सके। इस अध्ययन मंडल में मुख्य रूप से शराब घोटाले के ताजा मामले पर विधायक व रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने विषय को स्पष्ट किया कि कैसे प्रदेश सरकार ने इस घोटाले को अंजाम दिया? कैसे शराब व्यापारियों पर दबाव डालकर प्रदेश सरकार ने नकली शराब बनवाई? कैसे अपने ही परिवहनकर्ताओं से नकली शराब का परिवहन कराया गया और कैसे अपनी ही दुकानों में वह नकली शराब बिकवाई? नकली शराब के इस गोरखधंधे के लिए कैसे एक सिंडीकेट बनाकर इस घोटाले को अंजाम दिया गया? इन सभी प्रश्नों पर केंद्रित इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई।

अरपा को बारहमासी नदी में तब्दील करने तेजी से काम करने की जरूरतः सीएम

- नदी के पुनर्जीवन के लिए जनसहभागिता जरूरीः मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने ली अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अरपा बेसिन में संचालित तमाम सिंचाई परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अरपा नदी क्षेत्र के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं हैं। इसे पुनर्जीवित करने के लिए इससे जुड़े तमाम विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करना सुनिश्चित करें ताकि जल्द से जल्द अरपा नदी की प्यास बुझाकर इसे पूर्व की तरह बारहमासी नदी में तब्दील किया जा सके। श्री बघेल भेंट मुलाकात के दौरान बिलासपुर में आज अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नदी को पुन:जीवित करने के लिए शासकीय प्रयासों के साथ जनसहभागिता भी जरूरी हैं। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, विधायक धरमलाल कौशिक, शैलेश पाण्डेय, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, रजनीश सिंह, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभयनारायण राय, पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर रामशरण यादव सहित जिले के प्रभारी सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग, कलेक्टर सौरभकुमार सहित कोरबा कलेक्टर संजीव कुमार झा, मुंगेली कलेक्टर राहुल देव, जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्राधिकरण के सदस्य उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि अरपा नदी जलग्रहण क्षेत्र का संपूर्ण विकास के लिए अगस्त 2021 में नये स्वरूप में अरपा बेसीन विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। वैज्ञानिक आधार पर ऐसी संरचनाओं का निर्माण किया जायेगा जिससे नदी में बारहों महीने पानी बहती रहे।

ग्रामोद्योग के माध्यम से ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराएं : रूद्रकुमार

- मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले सहायक संचालक को किया निलंबित

रायपुर । ग्रामोद्योग मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने आज यहां राजधानी स्थित अपने शासकीय निवास सतनाम सदन में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अधिकारियों ने मंत्री गुरू रूद्रकुमार को घटकवार विस्तृत जानकारी दी। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने अद्यतन जानकारी उपलब्ध न कराने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के सहायक संचालक पंकज अग्रवाल को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। विगत समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को पूरी तैयारी से आने के निर्देश दिए थे। बैठक में ग्रामोद्योग के माध्यम से ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप ग्रामोद्योग को रोजगार का जरिया बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और उन्होंने अधिकारियों को विभागीय कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने विभाग में नई भर्ती पर जोर देने की बात कही। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के आबंटन व्यय की समीक्षा, वित्तीय वर्ष 2023-24 में आबंटन एवं कार्ययोजना की समीक्षा, अपेक्स बुनकर संघ का वर्ष 2022-23 में शासकीय वस्त्र प्रदाय की समीक्षा के साथ-साथ वर्ष 2023-24 में किए जाने वाले महत्वपूर्ण विभागीय कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.